राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 03 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-182 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर को पार्टी से निकाला

- कहा-बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे,अब कभी वापस नहीं लेंगे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकाल दिया है। उन्होंने रविवार को कहा- अशोक बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे। अब इन्हें कभी पार्टी में वापस नहीं लेंगे। मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर कर दिया। बेनीवाल बसपा में कोऑर्डिनेटर के साथ ही पंजाब, हिमाचल प्रदेश,

जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डेढ़ साल में यह दूसरा मौका है, जब मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकाला है। 12 फरवरी 2025 को गुटबाजी करने पर भी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर किया था। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर 2025 में उनकी दोबारा पार्टी में वापसी हो गई थी। अशोक सिद्धार्थ के पास तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में बसपा की जिम्मेदारी थी। मायावती ने शनिवार को उनसे इन राज्यों का जिम्मा छीन लिया था। इसके बाद सोशल मीडिया में खबरें आई कि अशोक सिद्धार्थ को यूपी का जिम्मा दिया जा सकता है। इससे भड़ककर रविवार को मायावती ने एक्स पर लिखा- बार-बार चेतावनी के बावजूद अशोक सिद्धार्थ के रवैये में कोई सुधार नहीं आया। इस वजह से उनसे सभी जिम्मेदारियां छीन ली गई थीं। बावजूद इसके उन्होंने यूपी लौटने की खबरें फैलाकर कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करने की साजिश रची। इसीलिए अब उन्हें पार्टी से पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

भरत भूषण तिवारी के लिए आंदोलन करना पड़ा भारी

- बिलौटी गांव के सरोज-पंकज त्रिपाठी पर एफआईआर दर्ज

आरा (एजेंसी)। भोजपुर के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर के बाद आंदोलन की अगुवाई करने वाले शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी त्रिपाठी बंधु काला हिरण रखने के मामले में फंस गए हैं। इस संबंध में बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी के खिलाफ शाहपुर थाना में वन्य जीव संरक्षण

अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। भोजपुर वन प्रमंडल आरा प्रक्षेत्र के शाहपुर वन कार्यालय के वन पदाधिकारी श्रीनिवास सिंह के बयान पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9, 11, 39 और 51 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि गुप्त सूचना मिली थी कि बिलौटी गांव निवासी सरोज त्रिपाठी और उनके भाई पंकज त्रिपाठी ने अपने घर में काला हिरण रखा हुआ है।

मौलाना जर्जिस अंसारी ने फिर से उगला जहर

भगवान शिव और ब्रह्मा पर दिया विवादित बयान, भड़के कांवड़िए

इंदौर (एजेंसी)। भगवान शिव और भगवान ब्रह्मा को लेकर मौलाना जर्जिस अंसारी के कथित विवादित बयान के विरोध में शनिवार को इंदौर में हिंदू संगठनों का भारी आक्रोश देखने को मिला। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और कांवड़िए चंदन नगर थाने पहुंचे और मौलाना के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और बच्चों की भी मौजूदगी रही। हालात की गंभीरता को भांपते हुए थाने पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा और सुरक्षा के एहतियात के तौर पर मुख्य द्वार भी कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा-हमें उनकी हर प्लानिंग को नाकाम करना है

दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं

पीएम बोले-भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

ड्रग्स थोड़ी देर का हाई, लेकिन जिंदगीभर का नुकसान

ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है, लेकिन करियर और फैमिली लाइफ को बर्बाद कर देता है। हमारे संतों और गुरुओं ने भी नशे से दूर रहने की सीख दी है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जो नशा इंसान की बुद्धि और विवेक छीन ले, वह उसे पतन की ओर ले जाता है। नशे की लत से लड़कर बाहर निकलने वाले असली योद्धा हैं।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा

इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

नशा सपनों और परिवार दोनों को तोड़ देता है

पीएम मोदी ने कहा कि नशा युवाओं का फोकस भटकाकर उन्हें धीरे-धीरे उनके सपनों से दूर ले जाता है। आज भारत के युवा स्टार्टअप, एआई और स्पेस जैसे क्षेत्रों में दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन अगर कोई युवा ड्रग्स की गिरफ्त में आ जाए तो सिर्फ उसका सपना ही नहीं, पूरा परिवार हार जाता है। नशा एक पिता के सपनों और बहन की उम्मीदों को भी तोड़ देता है। नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचते हैं।

सीजेपी प्रोटेस्ट में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने वाला था जैश आतंकी

- जंतर-मंतर में तोड़फोड़ की थी साजिश बंगाल एसटीएफ का बड़ा दावा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। एसटीएफ के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को सीजेपी के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था। एसटीएफ के डीजी गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले गिरफ्तार किया गया है।

राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता

हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। एसटीएफ के मुताबिक, अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी। उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। एसटीएफ के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे,इसकी जांच कर रहे हैं।

राज्यमंत्री की शिकायत के बाद जुड़े टेरर मॉड्यूल के तार

एसटीएफ ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले। अधिकारी के मुताबिक जांच में सामने आया कि इसके पीछे एक ऑर्गनाइजेशन का हाथ है। इससे साहिबगंज के एक सोशल मीडिया हैंडल का पता चला, जिसे अर्पिता सरकार नाम की एक लड़की ऑपरेट कर रही थी।

पत्नी के 92 वीडियो देख, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

कहा-पत्नी का किसी और के साथ अफेयर तो नहीं मिलेगा मेंटीनेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर किसी पत्नी के खिलाफ व्यभिचार (एडल्टरी) के आरोप प्रथम दृष्टया सही प्रतीत होते हैं, तो उसे अंतरिम भरण-पोषण नहीं दिया जा सकता। शुक्रवार को जस्टिस संजय करोल और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने राजस्थान हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें कहा गया था कि व्यभिचार से जुड़े मामले के अंतिम निपटारे तक पत्नी को भरण-पोषण से वंचित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अदालतों का यह मानना त्रुटिपूर्ण होगा कि ऐसे आरोप पर निर्णय केवल सुनवाई के अंतिम चरण में ही किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, चूंकि, दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125(4) में यह प्रावधान है कि अगर व्यभिचार का आरोप साबित हो जाता है। तो पत्नी न तो अंतरिम और न ही अंतिम गुजारा-भत्ता की हकदार होगी। इसलिए हमारा मत है कि अगर पति धारा 125(4) के तहत आवेदन करता है और शुरू में ही सबूतों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोप साबित कर देता है, तो अंतरिम गुजारा-भत्ता पर रोक लगाई जा सकती है।

सुप्रीम अदालत बोली-पेश करने होंगे ठोस सबूत

अदालत ने कहा कि व्यभिचार से जुड़े मामलों में अक्सर परिस्थिति और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की गहन जांच करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है। ऐसे में अंतिम फैसले तक इंतजार करना कानून की मंशा के विपरीत होगा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल आरोप पर्याप्त नहीं होगा। पति को ऐसे ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने होंगे, जो पहली नजर में ही आरोपों की पुष्टि करते हों। मामले में पति ने पत्नी के खिलाफ सबूत के तौर पर कई तस्वीरें और 92 वीडियो अदालत में पेश किए थे। अदालत ने आशंका जताई कि ये सामग्री जासूस की मदद से जुटाई गई है।

तिहाड़ जेल को शिफ्ट करने की तैयारी, नरेला में बनेगी नई जेल

दिल्ली सरकार ने डीडीए से मांगी 27 एकड़ जमीन,बनेगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की तिहाड़ जेल पर कैदियों के भारी दबाव को कम करने के लिए सरकार ने नरेला में एक और नई जेल बनाने का प्रस्ताव दिया है। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने बताया कि सरकार की लंबी अवधि की योजना तिहाड़ जेल कॉम्प्लेक्स को पूरी तरह से शहर के बाहरी इलाके में शिफ्ट करने की है, जिसके लिए उपयुक्त जमीन की तलाश की जा रही है। गृह मंत्री आशीष सूद ने कहा कि तिहाड़ अभी शहर के बीचों-बीच स्थित है, ऐसे में इसे घनी आबादी वाले इलाकों से दूर ले जाने से सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

जमीन मिलने के बाद तैयार की जाएगी रिपोर्ट

आपको बता दें कि यह कदम तिहाड़ में सालों से जारी ओवरक्राउडिंग (अत्यधिक भीड़) की समस्या को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। जमीन का आवंटन होने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसमें जेल के डिज़ाइन, क्षमता, सुरक्षा सुविधाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर और अनुमानित लागत का पूरा खाका तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित नई जेल नरेला में पहले से निर्माणाधीन हाई-सिक्योरिटी जेल कॉम्प्लेक्स के पास ही बनाई जाएगी।

केरलम-कर्नाटक में कोहराम,जम्मू-कश्मीर में तबाही

- उत्तर से दक्षिण तक भारी बारिश ने मचा दिया है आतंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं।

तमिलनाडु में 2000 लोगों ने बारिश के लिए प्रार्थना की

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5सीसी से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है। गुजरात के सूरत में फिलहाल बारिश रुक गई है, लेकिन किम नदी का जलस्तर अब भी बढ़ा हुआ है।

दो कारें बहीं और सड़कों पर भरा मलबा

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में शनिवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। कई मकानों और दुकानों को नुकसान पहुंचा, दो कारें बह गईं और सड़कों पर मलबा भर गया। एहतियात के तौर पर किश्तवाड़, डोडा और रामबन के सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। वहीं उत्तरकाशी में यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। चमोली के गौचर के पास कमेड़ा में बद्रीनाथ हाईवे का 20 मीटर हिस्सा धंस गया, जिससे यातायात वन-वे कर दिया गया है। मौसम विभाग ने 7 अगस्त तक मौसम खराब रहने का अनुमान जताया है।

ईरानी सुप्रीम लीडर को तलाशने में मोसाद,सीआईए के छूटे पसीने

मोजतबा खामेनेई ने 150 दिन से नहीं उठाया फोन

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की तलाश में इजरायल और अमेरिका खुफिया एजेंसी पूरी तरह से लगी हुई हैं। ब्रिटेन के अखबार द टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इजरायल की मोसाद और अमेरिका की सीआईए मिलकर ईरान के नए सर्वोच्च नेता के ठिकाने का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। मोजतबा को फरवरी के आखिर में उनके पिता तत्कालीन सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या के

बाद से नहीं देखा गया है। उस हमले में वे खुद भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रिपोर्टों से पता चलता है कि मोजतबा खामेनेई की हालत ठीक नहीं है। उनकी चोटों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आई हैं, जिसमें गंभीर चोटों से लेकर शरीर का बिगड़ना शामिल हैं। कहा जाता है कि उन्हें बोलने में भी समस्या होती है।

मोसाद एजेंटों की मदद से कर रहा तलाश

द टाइम्स ने दावा किया कि मोसाद ईरान में अपने एजेंटों के जरिए मोजतबा के जिंदा रहने और उनके छिपने के ठिकाने का पता लगाने पर ध्यान दे रहा है। मोसाद के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि मोजतबा हो सकता है फोन का इस्तेमाल न कर रहे हों, लेकिन अगर वह जिंदा हैं तो बातचीत का कोई दूसरा तरीका जरूर अपना रहा होगा, जैसे कागज की पर्चियों पर संदेश भेजना। ऐसे में मोसाद के लिए मोजतबा को ढूढ़ने का जरिया इंसानी ही होगा। अखबार ने दावा किया कि सीआईए ने ओसामा बिन लादने का पता भी इसी तरह लगाया था।

दिन के उजाले में बाहर नहीं आते मोजतबा

रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई दिन के उजाले में बंकर से बाहर नहीं निकलते हैं। उन्हें है कि अमेरिकी जासूसी सैटेलाइट उन्हें पहचान सकते हैं। यही वजह है कि मोजतबा का पता लगाने के लिए इजरायल और अमेरिका को ईरान के अंदर मौजूद जासूसों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इस बीच खुफिया समुदाय में एक चर्चा इस बात पर भी हो रही है कि मोजतबा की मौत या तो 28 फरवरी को हो गई थी या बाद में जख्मों की वजह से जान चली गई थी और आईआरजीसी के अधिकारी उनके जिंदा होने के बारे में झूठ बोल रहे हैं।

यूपी सरकार की सर्वदलीय बैठक से सपा का बहिष्कार

4 दिन के विधानसभा सत्र पर विधायक रविदास भड़के

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा के मानसून सत्र को लेकर रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक का सपा ने बहिष्कार कर दिया। सपा का कोई भी विधायक बैठक में नहीं पहुंचा। इससे पहले कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में सपा ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले पर चर्चा कराने की मांग की। मीटिंग के बाद सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- यूपी में 25 करोड़ लोग हैं। 4 दिनों में इतने बड़े राज्य की समस्याओं पर चर्चा करना संभव नहीं है। सरकार चाहती है कि मुद्दों पर चर्चा न हो। इसलिए सदन का

सत्र छोटा रखा गया है। वहीं डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा- हम यह चाहते हैं कि विपक्ष अपने मुद्दे सदन में लाए और सरकार उनका जवाब देने के लिए तैयार है।

मंत्री राजभर बोले-सरकार चर्चा के लिए तैयार

मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा- सरकार पूरी तरह तैयार है। अनुपूरक बजट लाने के लिए सरकार ये सत्र बुला रही है। वे (विपक्ष) हर सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी करते हैं, लेकिन सदन में जब सरकार चर्चा के लिए तैयार होती है, तब सदन छोड़कर भाग जाते हैं। कांग्रेस और सपा के लोग ही पेपर लीक में लिप्त हैं, कड़ा कानून बन जाएगा तो उन्हें कैसे बचा पाएंगे। उन्हें बचाने के लिए ये लोग चिंतित हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सावन शिव भक्ति, श्रद्धा और साधना का पावन पर्व

शिव योग विज्ञान के प्रथम गुरु हैं। ये शिव ही हैं, जिन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान दिया।मान्यता है कि कांतिसरोवर (केदारनाथ के पास) तट पर शिव ने अपना ज्ञान सप्तऋषियों (सात ऋषियों) को दिया था। सरल शब्दों में कहें तो वे योगेश्वर या यूं कहें कि प्रथम योगी (आदियोगी) हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता को योग, ध्यान और आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाया। शिव का अर्थ है-जो नहीं है। अर्थात वह शून्यता जिससे समस्त सृष्टि उत्पन्न होती है। सच तो यह है कि शिव असीम संभावनाओं और पूर्ण चेतना का प्रतीक हैं।

(लेखक - सुनील कुमार महला)

3 अगस्त को श्रावण मास का पहला सोमवार है। श्रावण मास भगवान शिव की उपासना/आराधना और व्रत के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।श्रद्धालु व्रत-उपवास, पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, जलाभिषेक तथा कांवड़ यात्रा के माध्यम से भगवान भोलेनाथ के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि सावन/श्रावण मास भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और प्रकृति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।सावन का महीना प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है। वर्षा ऋतु में धरती हर तरफ हरियाली से आच्छादित हो जाती है, नदियाँ और जलस्रोत भर जाते हैं तथा कृषि कार्य अपने चरम पर होता है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में इस समय वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रकृति के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। यह वह महीना है जब हमारे देश में स्थान-स्थान पर अनेक धार्मिक उत्सवों और मेलों का आयोजन होता है। ये उत्सव, मेले व सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सहयोग और सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। संयम, सात्विक आहार, आत्मानुशासन और सेवा-भाव जैसे जीवन-मूल्य भी इसी मास की विशेष पहचान है।शिव परम चेतना हैं। संस्कृत में शिव शब्द का अर्थ है- जो कल्याणकारी हैं, मंगलकारी हैं, शुभ हैं, और हितकारी हैं। वास्तव में, शिव शांति और अद्वैत (एकत्व) का स्वरूप हैं। इसीलिए संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है-शिवं शान्तमद्वैतम्।शिव पुराण के अनुसार-शिव परब्रह्म हैं।वे अनादि (जिनका आदि नहीं), अनंत (जिनका अंत नहीं) हैं।सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार—तीनों का मूल कारण वही हैं। कुछ प्रसंगों में तो ब्रह्मा और विष्णु भी शिव से प्रकट हुए बताए गए हैं। शिव निराकार भी हैं और भक्तों के लिए साकार रूप भी धारण करते हैं।शिवलिंग उनके अनंत, निराकार स्वरूप(सगुण और निर्गुण दोनों) का प्रतीक माना गया है। सरल शब्दों में कहें तो शिव ही सृष्टि हैं, शिव ही पालनकर्ता हैं और शिव ही संहारकर्ता हैं। शिव योग विज्ञान के प्रथम गुरु हैं। ये शिव ही हैं, जिन्होंने सप्तऋषियों को योग का ज्ञान दिया।मान्यता है कि कांतिसरोवर (केदारनाथ के पास) तट पर शिव ने अपना ज्ञान सप्तऋषियों (सात ऋषियों) को दिया था। सरल शब्दों में कहें तो वे योगेश्वर या यूं कहें कि प्रथम योगी (आदियोगी) हैं, जिन्होंने मानव सभ्यता को योग, ध्यान और आत्म-ज्ञान का मार्ग दिखाया। शिव का अर्थ है-जो नहीं है। अर्थात वह शून्यता जिससे समस्त सृष्टि उत्पन्न होती है। सच तो यह है कि शिव असीम संभावनाओं और पूर्ण चेतना का प्रतीक हैं। शिव पूर्ण मौन, ध्यान और साक्षीभाव के प्रतीक हैं।उनका तांडव जीवन की ऊर्जा और परिवर्तन का प्रतीक है। वे संसार से भागने वाले नहीं, बल्कि संसार में रहते हुए पूर्ण जागरूकता का संदेश देते हैं।शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि चेतना, कल्याण, मौन, योग और आत्मबोध के सर्वोच्च प्रतीक हैं। वे देवों के देव- महादेव हैं।भक्ति परंपरा उन्हें महादेव और परमेश्वर मानती है। वहीं पर योग परंपरा उन्हें आदियोगी मानती है। दार्शनिक परंपरा उन्हें परम चेतना या ब्रह्म का प्रतीक मानती है। शिव स्वयंभू (जो स्वयं प्रकट हुए हों) हैं। हम सभी यह जानते हैं कि सावन में शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, लेकिन यहां प्रश्न यह उठता है कि आखिर सावन मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक क्यों होता है ? तो यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि सावन के महीने में ही समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें से महाविनाशकारी हलाहल विष निकला था। कहते हैं कि जब महादेव ने सृष्टि की रक्षा के लिए इस विष को अपने कंठ में धारण किया, तो उनके शरीर का तापमान अत्यधिक बढ़ गया और कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष की ज्वाला और ताप को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव को जल और औषधियां अर्पित कीं। वास्तव में,सावन की वर्षा और जल चढ़ाने की परंपरा इसी घटना से जुड़ी है ताकि महादेव के शरीर को शीतलता मिले। सावन का महीना रुद्र रूप के उस पक्ष को दर्शाता है जो संहार के बाद पुनर्गठन और नवजीवन लाता है। शास्त्रों के अनुसार, भीषण गर्मी से जब हमारी पृथ्वी तप रही होती है,तो सावन में जब शिवजी जल ग्रहण करते हैं, तो वे प्रसन्न होकर पृथ्वी पर वर्षा के रूप में अपनी कृपा बरसाते हैं।वायु पुराण के अनुसार, सावन के दौरान जल की हर बूंद में रुद्र का अंश माना जाता है, जो प्रकृति का पुनर्जन्म करता है।यह भी मान्यता है कि सावन में भगवान शिव ही सृष्टि का भार संभालते हैं, जैसा कि आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) को भगवान विष्णु चार महीने के लिए योगनिद्रा (क्षीरसागर) में चले जाते हैं। सावन के महीने में महादेव पृथ्वी लोक के सबसे करीब होते हैं और अपने भक्तों की पुकार तुरंत सुनते हैं। सावन मास में भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित किया जाता है। दरअसल ,बेलपत्र का त्रिकोण और वैज्ञानिक पहलू है। बेलपत्र के तीन पत्ते शिवजी के तीन नेत्रों, तीन गुणों (सत्व, रज, तम) और त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) का प्रतीक हैं। बेलपत्र में प्राकृतिक रूप से विषैले तत्वों को सोखने और शीतलता प्रदान करने के गुण होते हैं। यही कारण है कि विष के प्रभाव को कम करने के लिए जल के साथ-साथ बेलपत्र भी अर्पित किया गया था। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि लोग सावन के सोमवार को केवल एक वार मानकर व्रत रखते हैं, लेकिन सोम का अर्थ इससे कहीं अधिक व्यापक है। सोम का मतलब है चन्द्रमा और हम सभी जानते हैं कि भगवान शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं, जो मन की शांति और शीतलता का प्रतीक हैं।सावन मास में कांवड़ यात्रा का भी विशेष महत्व माना गया है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि पहली कांवड़ यात्रा भगवान परशुराम जी ने की थी। उन्होंने पहली बार कांवड़ में गंगाजल लाकर भगवान शिवजी का अभिषेक किया था। एक अन्य कथा के अनुसार, लंकापति रावण (जो शिवजी का महान भक्त था) ने समुद्र मंथन के विष से पीड़ित शिवजी को राहत देने के लिए पुरा महादेव (गढ़मुक्तेश्वर/बागपत) में कांवड़ से गंगाजल लाकर चढ़ाया था।

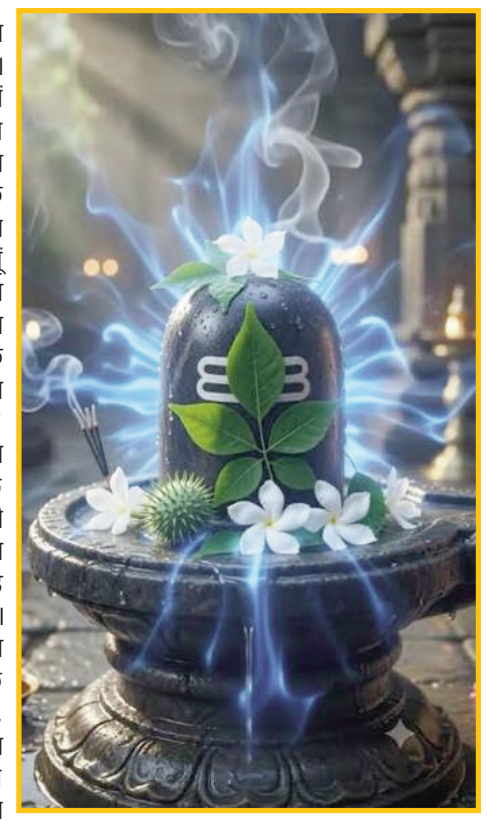

अंत में यही कहूंगा कि सावन केवल धार्मिक रीती-रिवाजों का महीना नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, भक्ति और स्वयं के भीतर की ऊर्जा को संतुलित करने का एक सूक्ष्म आध्यात्मिक विज्ञान है।सावन का महीना आत्मशुद्धि, संयम, प्रकृति-प्रेम और लोककल्याण का भी संदेश देता है। सावन हमें सिखाता है कि शिव की भक्ति का वास्तविक अर्थ सत्य, करुणा, सेवा, धैर्य और आत्मसंयम को जीवन में अपनाना है। यदि हम इन मूल्यों को अपने आचरण का हिस्सा बना लें, तो यही सावन का सबसे बड़ा फल और भगवान शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

संपादकीय

पहलगाम जैसी करतूत

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले छत्तीसगढ़ के दो हिंदू श्रमिकों की उनका मजहब पूछकर हत्या पहलगाम के भीषण आतंकी हमले की याद दिलाने वाली बर्बर घटना है। पिछले वर्ष अप्रैल में पहलगाम में इसी तरह करीब दो दर्जन पर्यटकों को उनका मजहब पूछकर मारा गया था। यह भी ध्यान रहे कि पहलगाम की तरह कुलगाम के बर्बर हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के उसी पालतू आतंकी संगठन टीआरएफ ने ली है, जो लश्करे तैयबा का मुखौटा संगठन है। पाकिस्तान ने टीआरएफ को लश्करे तैयबा की मदद से तब खड़ा किया था, जब उसके सिर पर एफएटीएफ की तलवार लटक रही थी। कुलगाम की घटना यह बता रही है कि अभी टीआरएफ आतंकियों के दुस्साहस का दमन होना शेष है। टीआरएफ गैर-कश्मीरियों और खासकर हिंदुओं की हत्या करने के लिए कुख्यात रहा है। पहलगाम की घटना की भी उसने जिम्मेदारी ली थी। बाद में डर से मुकर गया था। तथ्य यह भी है कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में उसका बचाव किया था। लगता है पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के हाथों हुई अपनी तबाही भूल गया है। कुलगाम में आतंकी हमला ऐसे समय किया गया, जब पाकिस्तान अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में लोगों का निर्ममता से दमन करने में लगा हुआ है। हैरानी नहीं कि इस कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी जो थू-थू हो रही है, उससे ही ध्यान बंटाने के लिए उसने कुलगाम में पहलगाम की तर्ज पर आतंकी हमला कराया हो। पाकिस्तान का दुस्साहस इसलिए बढ़ गया है, क्योंकि अमेरिका ने उसकी पीठ पर हाथ रख दिया है। ऐसे में भारत को उस पर दबाव बनाने के लिए कूटनीतिक स्तर पर कुछ नए कदम उठाने होंगे। इसके साथ ही पाकिस्तान को यह भी याद दिलाना होगा कि आपरेशन सिंदूर अभी स्थगित भर है। कुलगाम की घटना यह भी रेखांकित कर रही है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को अभी भी पनाह मिल रही है और उन्हें सहयोग एवं संरक्षण देने वाले तत्व सक्रिय हैं। आतंकियों के साथ उनके समर्थकों को भी निशाने पर लेने की जरूरत है। जब तक ऐसा नहीं किया जाता, तब तक कश्मीर में शांति की सही तरह बहाली संभव नहीं। आतंकवाद का तो कोई मजहब नहीं होता, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि आतंकी मजहब की आड़ लेते हैं। कश्मीर में आतंकियों को संरक्षण मिलने का यही एक बड़ा कारण है। समस्या यह है कि कश्मीरी नेता इस सच से मुंह मोड़ना चाहते हैं। इसकी अनदेखी न की जाए कि जम्मू-कश्मीर में सत्तारूढ़ नेशनल कांफ्रेंस के नेता कुलगाम की घटना पर यह बेतुका प्रश्न उठाने में लगे हुए हैं कि ऐसा तभी क्यों होता है, जब वे जम्मू-कश्मीर के राज्य दर्जे को बहाल करने की मांग करते हैं? इस तरह के सवाल शरारतपूर्ण ही हैं।

तेल, युद्ध, ब्याज दर और निवेशः वैश्विक आर्थिक तूफान में भारत की बाजार- नाव कितनी सुरक्षित?

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

-वैश्विक संकटों के बीच भारतीय बाजार की चमक- मजबूत अर्थव्यवस्था या विदेशी पूंजी का अस्थायी सहारा? -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, कच्चा तेल और ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के बीच भारतीय शेयर बाजार की मजबूती -क्या भारत विश्व आर्थिक अनिश्चितता में निवेश का नया सुरक्षित केंद्र बन रहा है?

क्या भारत ऐसी मजबूत, समावेशी और आत्मनिर्भर आर्थिक संरचना तैयार कर रहा है, जो तेल के झटकों, युद्ध के प्रभाव, विदेशी पूंजी की निकासी और वैश्विक ब्याज दरों की चुनौती के बीच भी स्थिर रह सके?

वैश्विक स्तरपर वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में वर्ष 2026 का समय एक ऐसे दौर के रूप में उभर रहा है,जिसमें ईरान- अमेरिका, यूक्रेन-रूस युद्ध, भू- राजनीतिक तनाव,ऊर्जा संकट,ऊंची ब्याज दरें, वैश्विक पूंजी का तेज आवागमन और तकनीकी परिवर्तन,सभी मिलकर विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा तय कर रहे हैं। ऐसे वातावरण में भारत का शेयर बाजार केवल घरेलू निवेशकों की आशावादिता का प्रतिबिंब नहीं,बल्कि भारत की आर्थिक क्षमता, राजनीतिक स्थिरता, डिजिटल विस्तार, बुनियादी ढांचा निवेश और दीर्घकालिक विकास संभावनाओं का संकेतक भी बनता जा रहा है।बता दे कि दिनांक 1 अगस्त 2026 से भारत सरकार ने वाणिज्यिक सिलेंडर में 200 रूपए की कमी की है जो तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। 3 से 5 अगस्त 2026 के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दर,महंगाई, विकास, रुपये और वैश्विक जोखिमों के बीच संतुलन प्रमुख विषय रहेंगे। 31 जुलाई 2026 को भारतीय बाजारों में लगातार तीसरे सत्र की तेजी दिखाई दी और सेंसेक्स लगभग 78 हजार अंक के स्तर के आसपास बंद हुआ, जबकि निफ्टी 24,350 के ऊपर बना रहा। यह मजबूती ऐसे समय में आई है,जब पश्चिम एशिया की अस्थिरता, बढ़ती ऊर्जा कीमतें और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल वैश्विक निवेशकों के सामने नई चिंताएं खड़ी कर रहे हैं।अगस्त 2026 के शुरुआती हफ्ते (3 अगस्त से 7 अगस्त) के लिए भारतीय शेयर बाजार का रुझान सतर्कता के साथ मजबूती की ओर इशारा कर रहा है बाजार के जानकारों के मुताबिक, इस हफ्ते 4 बड़े ट्रिगर्स हैं जो मार्केट की दिशा तय करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारतीय बाजार की यह मजबूती इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विश्व अर्थव्यवस्था आज दो विपरीत शक्तियों के बीच खड़ी है। एक ओर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, सेमी कंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और नई औद्योगिक क्षमता निवेश के अवसर पैदा कर रहे हैं; दूसरी ओर युद्ध, आपूर्ति- श्रृंखला बाधाएं, ऊर्जा असुरक्षा, व्यापारिक संरक्षणवाद और महंगी पूंजी विकास की गति पर दबाव डाल रहे हैं। अमेरिका में 31 जुलाई को प्रमुख शेयर सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए और जुलाई का समापन सकारात्मक रहा। मजबूत कॉर्पोरेट परिणामों तथा एआई निवेश से जुड़ी आशाओं ने बाजार को समर्थन दिया, लेकिन बढ़ते तेल मूल्य और ऊंचे ट्रेजरी प्रतिफल ने महंगाई तथा भविष्य की ब्याज दरों को लेकर सटीकता से चिंता भी बढ़ाई।

साथियों, भारत के लिए सबसे बड़ी बाहरी आर्थिक चुनौती कच्चे तेल की कीमत है।भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है।इसलिए तेल की कीमत बढ़ने का प्रभाव केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता,बल्कि परिवहन लागत, खाद्य कीमतों,औद्योगिक उत्पादन,उर्वरक, विमानन, व्यापार घाटे और सरकारी वित्त तक पहुंचता है। पश्चिम एशिया में तनाव या आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भारत का आयात बिल बढ़ सकता है और रुपये पर दबाव आ सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय तेल कंपनियों द्वारा स्पॉट बाजार से अतिरिक्त कच्चे तेल की खरीद यह संकेत देती है कि ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता और जोखिम प्रबंधन अब आर्थिक नीति का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।तेल की बढ़ती कीमतों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव बहुस्तरीय होता है। पहला प्रभाव चालू खाते के घाटे पर पड़ता है, क्योंकि अधिक विदेशी मुद्रा तेल आयात पर खर्च होती है। दूसरा प्रभाव रुपये पर पड़ता है; यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में कमजोरी आ सकती है। तीसरा प्रभाव महंगाई पर पड़ता है, क्योंकि परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ने से वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य प्रभावित होते हैं। चौथा प्रभाव कंपनियों के लाभ पर पड़ता है, विशेषकर विमानन, रसायन,परिवहन,लॉजिस्टिक्स और ऊर्जा-गहन उद्योगों पर। इसलिए भारतीय शेयर बाजार की वर्तमान मजबूती को समझते समय यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि क्या बाजार तेल जोखिम को पर्याप्त रूप से ध्यान में रख रहा है, या निवेशकों का विश्वास अभी घरेलू विकास संभावनाओं पर अधिक केंद्रित है।

साथियों, दूसरी बड़ी वैश्विक चुनौती अमेरिकी बॉन्ड यील्ड है।जब अमेरिका के दीर्घकालिक सरकारी बॉन्डों पर प्रतिफल बढ़ता है, तो वैश्विक निवेशकों के सामने भी एक अपेक्षाकृत सुरक्षित निवेश विकल्प अधिक आकर्षक हो जाते हैं। इससे उभरते बाजारों में विदेशी पूंजी का प्रवाह धीमा पड़ सकता है।हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी 30- वर्षीय ट्रेजरी यील्ड लगभग 5 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने और मौद्रिक नीति की विश्वसनीयता तथा महंगाई के संबंध में चिंताओं ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को प्रभावित किया है।ऊंची अमेरिकी बॉन्ड यील्ड का भारत पर प्रभाव तीन प्रमुख माध्यमों से पड़ सकता है। पहला, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से धन निकालकर अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर जासकते हैं। दूसरा, डॉलर मजबूत होने पर रुपये पर दबाव बढ़ सकता है। तीसरा, भारत में सरकारी और कॉर्पोरेट उधारी की लागत बढ़ सकती है। 31 जुलाई 2026 को भारत की 10-वर्षीय सरकारी बॉन्ड यील्ड लगभग 6.81 प्रतिशत के आसपास रही, जो यह दर्शाती है कि घरेलू बॉन्ड बाजार भी वैश्विक ब्याज दरों, तेल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह से प्रभावित है।

साथियों,फिर भी भारत की स्थिति कई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अपेक्षाकृत मजबूत दिखाई देती है। भारत के पास बड़ा घरेलू उपभोक्ता बाजार,युवा जनसंख्या,डिजिटल भुगतान प्रणाली, तेजी से बढ़ता बुनियादी ढांचा, विनिर्माण विस्तार और सेवा क्षेत्र की क्षमता है। भारत की अर्थव्यवस्था केवल निर्यात पर निर्भर नहीं है; घरेलू मांग भी विकास का एक महत्वपूर्ण आधार है।

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना।

लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

विचार मंथन

जेन- जी आंदोलन का असर न्यायपालिका पर?

(लेखक- सनत जैन)

जंतर मंतर पर हुए जेन-जी आंदोलन का असर पहले जेन-अल्फा पर देखने को मिला है। इसके बाद बाद जिस तरह से न्यायपालिका के बारे में युवा मुखर होकर अपनी बात सोशल मीडिया पर कहने लगे हैं, उससे अंदेशा है कि न्यायपालिका भी निशाने पर आ गई है। कॉकरोच शब्द पहली बार सुप्रीम कोर्ट के अंदर से ही निकला था। यह मामला इतना बड़ा हो जाएगा, इसे ना तो सरकार ने सोचा था ना ही न्यायपालिका ने सोचा था, लेकिन जिस तरह से बिना किसी डर और भय के सोशल मीडिया के माध्यम से युवा अपनी बात कह रहे हैं। इसका असर देश के सभी वर्गों पर पढ़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश उज्जवल भुइयां द्वारा न्यायपालिका में कॉलेजियम की कार्यप्रणाली को लेकर तीखे सवाल किए गए हैं। उसके बाद से यह मामला भी तूल पकड़ने लगा है। सुप्रीम कोर्ट अथवा न्यायपालिका में कॉलेजियम द्वारा पहले जजों की नियुक्ति के समय जो अनुशंसा की जाती थीं, उसके कारण भी कॉलेजियम में बताए जाते थे। लेकिन पिछले कुछ समय से कॉलेजियम में जो अनुशंसा की जा रही है उनमें चयन का आधार और उसके कारणों की स्पष्टता नहीं होने से सरकार और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा जो निर्णय जजों की नियुक्ति के लिए लिए जा रहे हैं उनकी पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सुप्रीम कोर्ट में ही सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ समय से सरकार कॉलेजियम की अनुशंसा को दरकिनार करते हुए मनमाने तरीके से जजों की नियुक्ति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कर रही है। कई जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज करते हुए तथा ट्रांसफर पोस्टिंग के माध्यम से जजों को सीनियर से जूनियर बनाने और अपने इच्छित व्यक्ति को जज बनाने के लिए कॉलेजियम और सरकार के बीच में जो सांठ-गांठ हो रही है उसके बारे में अब सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज भी खुलकर बोलने लगे हैं। कॉलेजियम में शामिल जजों द्वारा जो डीसेंट नोट दिया जाता था उसे भी सार्वजनिक नहीं किए जाने पर जस्टिस नागरत्ना द्वारा आपत्ति जताई गई थी, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार करते हुए जजों की नियुक्ति मनमाने तरीके से हो रही है। इसको लेकर अब सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों के बीच में जिस तरह की मुखरता के साथ अपनी बात कही जा रही है न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर अब खुद न्यायपालिका के अंदर से आवाज उठ रही है। न्यायपालिका का जो डर और भय था लगता है जेन-जी और जेन-अल्फा द्वारा बिना किसी डर और भय के जिस तरह से सड़कों पर आकर अपनी बात कही जा रही है उसने सभी वर्गों का डर और भय निकालने का काम किया है। देशभर में चारों ओर से निष्पक्षता की बात होने लगी है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दो तरह के फैसले और दो तरह के कानून को लेकर जो धारणा बनी है उसको लेकर अब देश भर में न्यायपालिका के प्रति भी आक्रोश देखने को मिलने लगा है। न्यायपालिका के प्रति पहले जो विश्वास राजनीतिक दलों और आम जनता के बीच में देखने को मिलता था अब वह देखने को नहीं मिल रहा है। सरकार भी बार-बार कहती है, यदि सरकार का फैसला पसंद नहीं है तो कोर्ट चले जाओ, कोर्ट से वही फैसला आता है जो सरकार का बचाव करता है। कई राज्य सरकारों को केवल इसलिए गिरा दिया गया कि उनका फैसला समय पर नहीं हुआ। कई मामले आज भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित पड़े हुए हैं। जो मौलिक अधिकारों और संविधान से जुड़े हुए थे, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर भी मामला पिछले 2 साल से लंबित पड़ा हुआ है। एसआईआर के मामले में भी चुनाव आयोग को न्यायपालिका का जो सर्वेक्षण मिला है, उसको लेकर तरह-तरह की धारणा न्यायपालिका के प्रति आमजनों के बीच भी बनने लगी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह कहना की लाखों मतदाताओं के नाम यदि मतदाता सूची में नहीं है वह इस बार वोट नहीं दे पा रहे हैं, तो ट्रिब्यूनल से फैसला होने के बाद अगली बार वोट दे देंगे। अभी तक एसआईआर के माध्यम से लोकसभा चुनाव के समय जो मतदाता सूची थी उसमें से करीब 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। लंबे समय तक सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चलने के बाद संवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अधिकार नागरिकों को मिला हुआ था, उससे वह वंचित कर दिए गए। बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप चुनाव आयोग के ऊपर लगे, पूर्व की चुनाव व्यवस्था को बदलते हुए मनमाने तरीके से चुनाव आयोग ने नए-नए नियम बनाए, नए-नए सॉफ्टवेयर का उपयोग किया। इस सब की जानकारी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से छुपाई गई। इस सारी गड़बड़ी में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी अप्रत्यक्ष रूप से सहायता चुनाव आयोग को मिलती रही है। लेकिन चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित थे उसमें अभी तक कोई फैसला नहीं आया। महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह की गड़बड़ी के आरोप नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लगाए थे उनमें से किसी एक का जवाब भी चुनाव आयोग ने नहीं दिया। चुनाव आयोग की मनमानी को लेकर लगातार राजनीतिक दल आवाज उठाते रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डॉलर जमा पर एचडीएफसी बैंक ने बढ़ाई ब्याज दरें

विदेशी पूंजी जुटाने में 2013 का रिकॉर्ड टूटा

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (एफसीएनआर(बी)) जमा योजनाओं पर ब्याज दर में 25 बेसिस पॉइंट्स (0.25 फीसदी) की बढ़ोतरी की है। 1 अगस्त से लागू नई दरों के बाद, इन डॉलर जमाओं पर अब 6.25 फीसदी ब्याज मिलेगा। यह कदम भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती स्वैप स्कीम का लाभ उठाने और अधिक विदेशी मुद्रा जुटाने के लिए बैंकों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है। आरबीआई की विशेष स्वैप विंडो सितंबर के अंत में बंद होने वाली है, जिसके चलते बैंक एफसीएनआर(बी) डिपॉजिट के जरिए विदेशी फंड जुटाने की कोशिशें तेज कर रहे हैं। एचडीएफसी के इस कदम के बाद, अन्य बड़े निजी बैंक जैसे आईसीआईसीआई बैंक और ऐ क्सिस बैंक अभी भी तीन से पांच साल की डॉलर एफसीएनआर (बी) जमा पर 6 फीसदी ब्याज दे रहे हैं, जबकि एसबीआई में 1 मिलियन डॉलर से अधिक की पांच साल की जमा पर भी 6 फीसदी ब्याज मिल रहा है। छोटे वित्तीय संस्थान भी आकर्षक दरें पेश कर रहे हैं। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी (एफसीएनआ (बी)) डिपॉजिट पर उच्चतम ब्याज दर को 7.1 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 31 जुलाई तक बैंकों ने इस योजना के तहत कुल 41 अरब डॉलर का विदेशी फंड जुटाया है, जिसमें एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट का 36.7 अरब डॉलर सबसे बड़ा हिस्सा है। यह आंकड़ा 2013 के 34 अरब डॉलर के रिकॉर्ड को पार कर चुका है। सितंबर में विंडो बंद होने से पहले बैंक अधिकतम फंड जुटाने के लिए आने वाले हफ्तों में ब्याज दरें और बढ़ा सकते हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर सात प्रतिशत किया

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए अपने आवास ऋण पर ब्याज दरों में कटौती की है। बैंक ने एक सीमित अवधि की विशेष पेशकश मानसून धमाका के तहत होम लोन की ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत से घटाकर अब मात्र 7 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस योजना में केवल कम ब्याज दर ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क से भी पूरी छूट दी जाएगी। बैंक ने कहा कि इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने में सहायता देना है। बैंक का दावा है कि आवास ऋण पर 7 प्रतिशत और वाहन कर्ज पर 7.45 प्रतिशत की उनकी ब्याज दरें उद्योग में सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं। इन सुविधाओं से ग्राहकों पर मासिक किस्त का बोझ काफी कम होगा। यह नई दरें एक सीमित अवधि के लिए लागू रहेंगी।

कोल इंडिया का उत्पादन जुलाई में 8.4 फीसदी बढ़कर 5.036 करोड़ टन हुआ

आपूर्ति 18.38 फीसदी बढ़कर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली।

सरकारी खनन कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने जुलाई में परिचालन मोर्चे पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बारिश की चुनौतियों के बावजूद कोयला उत्पादन में 8.4 फीसदी और आपूर्ति में 18.38 फीसदी की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की, जिससे देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई। जुलाई में सीआईएल का कोयला उत्पादन 8.4 प्रतिशत बढ़कर 5.036 करोड़ टन पर पहुंच गया। देश के कुल उत्पादन में 80त्न से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली सीआईएल ने बारिश के बावजूद यह वृद्धि दर्ज की। मांग के अनुरूप भंडार प्रबंधन के चलते कोयले की आपूर्ति भी मजबूत रही। जुलाई में कुल आपूर्ति 18.38 प्रतिशत बढ़कर 6.419 करोड़ टन रही, जो किसी भी वित्त वर्ष के जुलाई महीने में अब तक की सर्वाधिक है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में कुल कोयला आपूर्ति 6.9 प्रतिशत बढ़कर 26.204 करोड़ टन हो गई, जो इस अवधि का सर्वाधिक स्तर है। बिजली क्षेत्र को जुलाई में सीआईएल की आपूर्ति 18 प्रतिशत बढ़कर 4.977 करोड़ टन रही, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 4.235 करोड़ टन थी। बिजली क्षेत्र, कंपनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और यह रिकॉर्ड आपूर्ति उसकी बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण रही है।

आरबीआई, कच्चे तेल और कंप नियों के नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में करीब 3 फीसदी की मजबूत बढ़त दर्ज करने के बाद, निवेशकों की निगाहें अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर टिकी हैं, जिसके फैसले 5 अगस्त को आने वाले हैं। इसके साथ ही अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कॉर्पोरेट नतीजों का नया दौर इस सप्ताह बाजार की अगली दिशा तय करेगा। इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा। केंद्रीय बैंक के सतर्क रुख से बैंकिंग और ब्याज दर से जुड़े सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य हमले रोकने के संकेत से तनाव कम हो सकता है, लेकिन स्ट्रैट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर हमले की खबरों ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ाई है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड में तेजी दर्ज हुई थी और जुलाई में इसने मार्च के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल

की बढ़ती कीमतें महंगाई की आशंका बढ़ा सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की गतिविधियां भी बाजार के लिए अहम रहेंगी। लगातार बिकवाली के बाद एफआईआई पिछले तीन सत्रों में शुद्ध खरीदार बने हैं, खासकर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में उनकी दिलचस्पी बढ़ी है। वैश्विक तकनीकी शेयरों का रुझान भी भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकता है, जहां माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन के मजबूत नतीजों ने भरोसा बढ़ाया है।

यूपीआई ने जुलाई में रचा नया कीर्तिमान, लेनदेन 23.66 बिलियन पार

दैनिक उपयोग बना वृद्धि का मुख्य कारण; छोटे शहरों में भी पहुंचा डिजिटल भुगतान का विस्तार

मुंबई ।

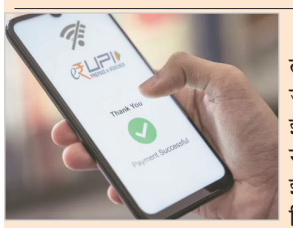

भारत में डिजिटल पेमेंट की लहर लगातार मजबूत हो रही है। जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने लेनदेन के सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए, जब इसके माध्यम से कुल 23.66 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए जिनकी कुल वैल्यू 29.88 ट्रिलियन रुपये दर्ज की गई। यह आंकड़ा अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है और जून महीने की तुलना में वॉल्यूम में 4.1 फीसदी और वैल्यू में 3.3 फीसदी की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले लेनदेन की संख्या में 22 फीसदी और मूल्य में 19 फीसदी का उछाल आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि किसी खास मौसमी या बाहरी कारण से नहीं, बल्कि लोगों के रोजमर्रा के इस्तेमाल और डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वाभाविक आदत का परिणाम है। अब यूपीआई का दायरा सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी यह स्थानीय खरीदारी, बिल भुगतान और पैसे ट्रांसफर के लिए एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों की बात करें तो इमीडिएट पेमेंट सर्विस और आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम ने भी जुलाई में बेहतर प्रदर्शन किया।

डॉलर ने फीकी की सोने-चांदी की चमक, एक हफ्ते में 1600 से ज्यादा टूटा सोना

हफ्तेभर में सोना 1,672 रुपए तो चांदी 6,476 रुपए सस्ती हुई

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी बॉन्ड यील्ड में आए उछाल के चलते पिछले हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई इस सुस्ती का असर भारत के सर्राफा और वायदा बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां 24 कैरेट सोना 1672 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी 6476 रुपए प्रति किलोग्राम टूट गई। सोने-चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड गिरावट पिछले कारोबारी हफ्ते में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का भाव सोमवार को 1,44,532 रुपए से गिरकर शुक्रवार तक 1,42,860 रुपए पर आ गया, जो कि महज पांच दिनों में 1.15 फीसदी की गिरावट है। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट दिखी; सोमवार को 2,24,771 रुपए प्रति किलो बिकने वाली चांदी हफ्ते के अंत तक 2,18,295 रुपए पर आ गई। इस तेज गिरावट ने निवेशकों को हैरान कर दिया है। डॉलर की मजबूती और फेड के रुख ने बढ़ाया दबाव बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी यील्ड में आए उछाल के कारण हुई है। डॉलर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं वाले निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है, जबकि ऊंची ट्रेजरी यील्ड बिना ब्याज वाले सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती है। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व के अपेक्षाकृत सख्त रुख और मजबूत श्रम बाजार ने निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है। बाजार अब सितंबर में ब्याज दर बढ़ने की संभावना लगभग 63 प्रतिशत मान रहा है, जिससे कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा है। भू-राजनीतिक तनाव और भविष्य का परिदृश्य वैश्विक स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के साथ-साथ होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल ने भी कमोडिटी बाजारों में सतर्कता का माहौल बनाए रखा।

त्योहारी मांग के बीच किसानों की कम आवक से तेल-तिलहनों के दाम मजबूत

सरकार को एमआरपी और आयातकों की दुर्दशा पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सभी खाद्य तेलों और तिलहनों के दाम में मजबूती दर्ज की गई। आगामी त्योहारों की मांग में तेजी और किसानों द्वारा फसल की आवक घटने से कीमतों में उछाल आया है। फिलहाल घरेलू बिनौला, सरसों और मूंगफली तेल आयातित तेलों की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसान पहले ही ऊंचे दाम का लाभ ले चुके हैं और अब मौजूदा, हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर, कीमतों पर अपनी उपज (बिनौला, सोयाबीन, सरसों) बेचने से कतरा रहे हैं, जिससे आवक प्रभावित हुई है। त्योहारों की बढ़ती मांग ने भी इस स्थिति को और मजबूत किया है। सूत्रों ने सरकार से खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को नियंत्रित और व्यवस्थित करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इसमें मनमाने ढंग से हेरफेर होता है। उदाहरण के लिए, थोक में सरसों और मूंगफली तेल का दाम लगभग 170 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन खुदरा में मूंगफली तेल काफी महंगा मिलता है। सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल का एमआरपी 180-185 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आयातकों की वित्तीय तंगी के कारण लागत से नीचे दामों पर बिकवाली भी एक बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों ने सरसों की बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार को अक्टूबर में आने वाली सोयाबीन और मूंगफली का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने की सलाह दी है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,525-7,575 रुपये और 7,375-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 7,400-7,975 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये के सुधार के साथ 17,150 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये के सुधार के साथ 2,700-3,000 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 75 रुपये के सुधार के साथ 15,775 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बिनौला तेल का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रोल्टा इंडिया समाधान योजना को एनसीएलएटी से हरी झंडी, दूरसंचार विभाग की चुनौती खारिज

न्यायाधिकरण ने कहा- योजना लागू हो चुकी, इस स्तर पर हस्तक्षेप अनुचित

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कर्ज में डूबी रोल्टा इंडिया लिमिटेड की समाधान योजना को चुनौती देने वाली दूरसंचार विभाग (डीओटी) की याचिका खारिज कर दी है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि समाधान योजना को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और उसका क्रियान्वयन भी पूरा हो चुका है, ऐसे में इस स्तर पर इसमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। डीओटी ने रोल्टा इंडिया पर समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से संबंधित 469.09 करोड़ रुपए के बकाया लाइसेंस शुल्क का दावा करते हुए एनसीएलटी द्वारा मंजूर समाधान योजना को चुनौती दी थी। यह योजना एशडन प्रॉपर्टीज ने 900 करोड़ रुपए में पेश की थी। डीओटी का तर्क था कि समाधान योजना में सरकारी और वैधानिक संस्थाओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। एनसीएलएटी की पीठ ने एनसीएलटी के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि समाधान योजना अंतिम चरण में है और लागू हो चुकी है। न्यायाधिकरण ने पाया कि डीओटी ने समाधान पेशेवर द्वारा 469.09 करोड़ रुपए के दावे को अस्वीकार्य लेकिन आकस्मिक श्रेणी में रखे जाने को समय पर चुनौती नहीं दी, बल्कि एनसीएलटी के बजाय दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) चला गया, जिससे उसका दावा कमजोर पड़ गया। एनसीएलएटी ने जोर दिया कि एक बार समाधान योजना को मंजूरी और सफल क्रियान्वयन के बाद, पुराने मुद्दों को फिर नहीं उठाया जा सकता। पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि सफल आवेदक को अघोषित देनदारियों का बोझ नहीं दिया जा सकता, जिनकी जानकारी समाधान प्रक्रिया के दौरान नहीं थी।

आरबीआई ब्याज दरों पर बनाए रख सकता है यथास्थिति

महंगाई और वैश्विक अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक का अहम फैसला

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक (3-5 अगस्त) में ब्याज दरों पर अहम फैसला होगा। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक इस बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करेगा, जिससे घर और कार लोन धारकों को ईएमआई में तुरंत राहत मिलने की संभावना क्षीण है। फैसलों का ऐलान 5 अगस्त को किया जाएगा। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि आरबीआई रेपो रेट में बदलाव नहीं करेगा। इसका मुख्य कारण खुदरा महंगाई (सीपीआई) का अगले दो तिमाहियों तक 5त्न से ऊपर बने रहने का अनुमान है। महंगाई पर नियंत्रण हेतु आरबीआई दरों को स्थिर रखेगा। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7 फीसदी से अधिक आर्थिक वृद्धि का अनुमान है। जुलाई में 35 अरब डॉलर के पूंजी प्रवाह से 24 जुलाई तक विदेशी मुद्रा भंडार में 12.5 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। फॉरवर्ड पोजीशन में कमी से विदेशी मुद्रा बाजार का दबाव कम हुआ। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, रुपये पर दबाव और वैश्विक पूंजी प्रवाह की अनिश्चितता के मद्देनजर आरबीआई के लिए मौजूदा दरों को बनाए रखना ही उपयुक्त होगा। वैश्विक मुद्रा बाजार में असंतुलन बना हुआ है, जिसका मार्च में रुपये पर असर दिखा।

मारुति ने जुलाई में रिकॉर्ड वाहन उत्पादन दर्ज किया, 2.48 इकाई के पार पहुंचा आंकड़ा

जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो इसी महीने के आंकड़े से 33 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकॉर्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकॉर्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था।मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि रिकॉर्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टॉक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही। उन्होंने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टॉक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है। कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की। इस दौरान कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1,37,776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई

होर्मुज जलडमरूमध्य में एलएनजी टैंकर पर हमला, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराया खतरा

कतर से चला गैसलॉग शंघाई टैंकर बना निशाना; मध्य-पूर्व के तनाव से वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता

नई दिल्ली ।

मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर एक और गहरा प्रभाव डाला है। दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक धमनियों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) लेकर जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ है। सिक्योरिटी इंटेलिजेंस फर्मों और शिप ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि इस हमले के कारण टैंकर फंस गया है, जिससे सुपर-चिल्ड फ्यूल की वैश्विक डिलीवरी में और रुकावट आने का खतरा पैदा हो गया है।

सिक्योरिटी कंसल्टेंसी वैनगार्ड टेक और मारिस्क ने इस जहाज़ की पहचान गैसलॉग शंघाई एलएनजी टैंकर के तौर पर की है। ओमान तट के पास स्ट्रेट से गुजरते समय इस पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ।

हमले के कारण जहाज की बिजली चली गई और हल्की आग भी लगी, जिसे तुरंत बुझा दिया गया। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और अब तक पर्यावरण पर भी कोई गंभीर असर नहीं पड़ा है। यह टैंकर 27 जुलाई को कतर से एनएनजी लेकर चला था और 31 जुलाई को होर्मुज के पश्चिमी प्रवेश द्वार के पास इसके सिग्नल आने बंद हो गए थे। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते भू-राजनीतिक टकरावों का सीधा परिणाम है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनियाभर में कुल एलएनजी आपूर्ति का लगभग पांचवां हिस्सा ले जाने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है।

भारत-चीन सीमा पर गुलजार हुआ कारोबार

14 हजार फुट की ऊंचाई पर फिर शुरू हुआ लेन-देन, 38 व्यापारियों को मिला परमिट

नई दिल्ली ।

भारत और चीन के बीच छह साल से बंद पड़ा सीमा व्यापार एक बार फिर शुरू हो गया है। सिक्किम में नाथू ला और हिमाचल प्रदेश में शिपकी ला दर्रे के रास्ते यह व्यापार फिर से बहाल हुआ। कोविड-19 महामारी और सीमा संबंधों में आए तनाव के कारण साल 2020 से यह व्यापार बंद था। समुद्र तल से 14,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित इन रणनीतिक दर्रों से व्यापार की वापसी दोनों देशों के बीच संबंधों में एक नई सुबह का संकेत है। सिक्किम के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव कर्मा डी. युत्सो ने बताया कि पूर्वी सिक्किम स्थित नाथू ला में औपचारिक उद्घाटन समारोह में दोनों देशों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह मौसमी व्यापार नवंबर तक प्रत्येक सप्ताह सोमवार से गुरुवार के बीच चलेगा। इस साल 38 पंजीकृत व्यापारियों को व्यापार पास जारी किए गए हैं। इस मार्ग से हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारंपरिक धार्मिक सामग्री और रेडीमेड परिधान सहित 36 अधिसूचित वस्तुओं का व्यापार होगा। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ-साथ पहली बार महिला आईटीबीपी प्लाटून भी नाथू ला में तैनात की गई है। गौरतलब है कि 1962 के युद्ध के बाद बंद हुआ यह दर्रा 2006 में चार दशक से अधिक समय बाद फिर से खोला गया था, लेकिन 2020 में कोविड-19 महामारी और उसके बाद सीमा पर उपजे तनाव के कारण इसे बंद कर दिया गया था।

पीएनबी की अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण की तत्काल योजना नहीं- बैंक अधिकारी

पूंजी पर्याप्तता अनुपात मजबूत, 20,000 करोड़ से अधिक शुद्ध लाभ का अनुमान

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) के साथ बैंक का जोर इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18 प्रतिशत है, जो नियामक आवश्यकता (11.5 प्रतिशत) से काफी अधिक है और 30 जून, 2026 तक 18.13 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस मजबूत स्थिति के कारण, बैंक बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल योजना नहीं बना रहा है। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेज बुखार के बाद भी अरुंधति ने रिंग में उतरकर स्वर्ण जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लासगो (ईएमएस)। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में जारी राष्ट्रमण्डल खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाज 70 किलोग्राम वर्ग के फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की शेंटेले रीड को 5-0 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक जीता। अरुंधति ने इस मैच में बुखार के बाद भी मुकाबला लड़ा। इस सफलता के बाद से ही

अरुंधति के घर में जश्न जैसा माहौल है पर जिस प्रकार से तेज बुखार में अरुंधति इस मैच में उतरी उसके लिए वह प्रशंसा की पात्र हैं। फाइनल मुकाबले से पहले अरुंधति को करीब 102 डिग्री बुखार था लेकिन उनके कदम नहीं डगमगाए और उन्होंने देश के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। उनकी बहन चारू ने अपनी खुशी और बहन के प्रति गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि अरुंधति की यह स्वर्णिम यात्रा आसान नहीं थी। उनका सपना भारत के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है।

शुरुआत में वह बास्केटबॉल खेला करती थीं, लेकिन जल्द ही उन्होंने मुक्केबाजी को अपना लिया। कोटा जैसे शहर में मुक्केबाजी के लिए उचित प्रशिक्षण और कोच की कमी एक बड़ी चुनौती थी। उन्हें अपनी ट्रेनिंग के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा पर अरुंधति ने कभी हार नहीं मानी। कॉमनवेल्थ में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अपने को साबित किया है।

राष्ट्रमण्डल खेलो में कुल सात स्वर्ण पदक में से छह विजेता हरियाणा के हैं। ऐसे में, अरुंधति एकमात्र ऐसी मुक्केबाज रहीं जिन्होंने हरियाणा से बाहर रहते हुए भी यह स्वर्ण जीता।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क (एजेंसी)। अमेरिका में इस माह के अंत में शुरु होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इमसें सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएगी।

जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे मजबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टार-स्टडेड लाइनअप में साफ दिख रहा है।

इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नॉर्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और केई निशिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना, तथा रूस की मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रेई रुबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी सेरेना विलियम्स का नाम भी शुरुआती सूची में शामिल नहीं है। पिछले महीने विंबलडन में वापसी के बावजूद, घुटने की चोट के कारण वह अपनी बहन वीनस विलियम्स के साथ प्रस्तावित युगल मुकाबला नहीं खेल सकी थीं। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 17 अगस्त तक पूरी होगी। इसके बाद सर्वश्रेष्ठ संयुक्त एकल रैंकिंग वाली छह जोड़ियों को सीधे मुख्य दौर में जगह मिलेगी, आठ जोड़ियों को विशेष आमंत्रण मिलेगा, जबकि अंतिम दो स्थानों का फैसला 24 अगस्त को होने वाले क्वालीफिकेशन मुकाबलों से होगा।

भारत की तन्वी ने ताइपे ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट जीता

ग्लास्गो (एजेंसी)। ताइपे सिटी (ईएमएस)। भारत की 17 साल की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने रविवार को यहां ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। तन्वी ने महिला एकल फाइनल में वियतनाम की छठी वरीयता प्राप्त थुई लिन्ह एनगुएन को सीधे गेम में हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता। 17 साल की तन्वी ने फाइनल में थुई लिन्ह को केवल 36 मिनट में ही 21-16, 21-16 से हरा दिया। इस शानदार जीत के साथ ही तन्वी ताइपे ओपन में सबसे कम उम्र की चैंपियन बन गई हैं, उन्होंने ताइवान की महान खिलाड़ी ताई जू यिंग का रिकॉर्ड तोड़ा। खिताब जीतने के बाद तन्वी ने अपनी खुशी जताते हुए कहा कि उसका लक्ष्य केवल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

पूरे टूर्नामेंट में केवल एक गेम खोने वाली तन्वी ने फाइनल मुकाबले में भी जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और अपने प्रभावी ड्रॉप शॉट और क्रॉस कोर्ट स्मैश से थुई लिन्ह पर 10-2 की बड़ी बढ़त बना ली। वियतनाम की खिलाड़ी तन्वी के सामने टिक नहीं पायी। इस भारती खिलाड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया।

वहीं दूसरे गेम में वियतनामी खिलाड़ ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई पर तन्वी ने धैर्य बनाए रखते हुए शानदार नेट शॉट्स और सटीक बैक कोर्ट प्ले के दम पर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर 8-4 की बढ़त बना ली। मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बनाए रखने के बाद, तन्वी ने धीरे-धीरे अपनी बढ़त को 18-12 तक पहुंचाया। कुछ मैच अंक खोने के बावजूद, तन्वी ने चौथे अवसर का फायदा उठाते हुए ये मुकाबला जीत लिया। पूर्व विश्व जूनियर नंबर एक और विश्व जूनियर चैंपियनशिप में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय तन्वी ने 16 साल की उम्र में 2025 अमेरिकी ओपन में अपने पहले सुपर 300 फाइनल में भी जगह बनाई थी।

भारतीय टीम नौवी बार श्रीलंका में द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज खेलेगी

12 खिलाड़ी पहली बार श्रीलंकर में टेस्ट खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अगले माह 15 अगस्त से श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। 9 साल के बाद भारतीय टेस्ट टीम एक बार फिर श्रीलंका में खेलती दिखेगी। भारतीय टीम को ये दौरा 9वां द्विपक्षीय टेस्ट दौरा होगा। अगर पिछले तीन दशक के इतिहास पर नजर डालें, तो साल 1985 से 2017 तक भारतीय टीम ने श्रीलंका में कुल 24 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान भारत ने 9 जीत दर्ज की हैं, 7 में उसे हार मिली और 8 मुकाबले ड्रॉ रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों से भारत का पलड़ा भारी रहा है और टीम ने श्रीलंकाई मैदानों पर अपने पिछले पांचों टेस्ट मैच जीते हैं। इस बार भारतीय टीम के 15 सदस्यीय दल में से 12 खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार श्रीलंका में टेस्ट मैच खेलने उतरेंगे। इसमें कप्तान शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने भले ही बाकी जगहों पर कई रिकार्ड बनाये हों पर श्रीलंका में टर्निंग विकेट पर स्पिनरों के सामने इनकी असल परीक्षा होगी।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने पहली बार 1985 में कपिल देव की कप्तानी में श्रीलंका का दौरा किया, जहां उसे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। 1993 में, भारत को श्रीलंका की धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत मिली, लेकिन सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई। इसके बाद 1997, 1999 और 2001 में भी भारतीय टीम को खास सफलता नहीं मिली और या तो सीरीज ड्रॉ रही या भारत को हार झेलनी पड़ी। 2008 का दौरा अजंता मेंडिस की रहस्यमी स्पिन के लिए याद किया जाता है, जिसने

भारतीय बल्लेबाजों को खासा परेशान किया था, और भारत को सीरीज गंवानी पड़ी। 2010 में रोमांचक सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही।

हालांकि, 2015 का श्रीलंका दौरा भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। गॉल में 63 रनों की हार श्रीलंका की धरती पर टेस्ट मैचों में भारत की आखिरी हार थी। उस हार के बाद, विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने वापसी की और अगले दोनों टेस्ट जीतकर 2-1 से ऐतिहासिक सीरीज अपने नाम की। 2017 में भारत ने श्रीलंकाई टीम का पूरी तरह सफाया कर दिया। 26 जुलाई को गॉल में 304 रनों की विशाल जीत, 3 अगस्त को एसएससी में पारी और 53 रनों की जीत, और 12 अगस्त को पल्लेकेले में पारी और 171 रनों की धमाकेदार जीत के साथ भारत ने सीरीज 3-0 से जीती और अपना दबदबा साबित किया।

अगर द्विपक्षीय सीरीज के नतीजों पर नजर डालें तो 1985, 1993, 2001 और 2008 की चारों सीरीज में भारत को नाकामी मिली थी (1993 ड्रॉ, अन्य में हार), जबकि 2010 की सीरीज 1-1 से बराबर रही थी। लेकिन 2015 (2-1) और 2017 (3-0) की पिछली दो सीरीज जीतकर भारत ने अपना दबदबा साबित किया है। अब 2026 में, जब भारतीय टीम 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलने उतर रही है, तो उनके सामने अपने पिछले 5 टेस्ट मैचों की जीत की लय को बरकरार रखने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

पंड्या बंधुओं के बीच सुलह वाला वीडियो पुराना निकला

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनके भाई क्रुणाल पंड्या के बीच सुलह की अटकलों की बात गलत निकली है। हार्दिक और कुणाल के बीच पिछले कुछ समय से मतभेद का दावा किया जा रहा था। इसी कारण दोनो सार्वजनिक स्थानों पर एकसाथ नहीं देखते हैं। हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रुणाल द्वारा हार्दिक के लिए कोई सोशल मीडिया पोस्ट न करने से रिश्तों में अनबन और तेज़ होने की बात कही गयी। इसी बीच ही सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेज़ी से वायरल हुआ, जिसमें दोनों भाइयों को मस्ती के मूड में एक साथ देखा गया, जिसके बाद यह दावा किया जाने लगा कि उनके बीच सब कुछ ठीक हो गया है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर सामने आया कि ये फर्जी है।

मुंबई एयरपोर्ट के इस वायरल वीडियो में पंड्या बंधुओं को एक साथ हंसते-बात करते हुए दिखाया गया है। वीडियो में दोनों भाई एयरपोर्ट से निकलते हुए बेहद खुशमिजाज नज़र आ रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने तुरंत यह दावा करना शुरू कर दिया कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच चल रही दूरियां अब खत्म हो गई हैं और उनके रिश्ते पहले की तरह हो गये हैं। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और लोगों ने मान लिया कि इनके बीच सब पहले जैसा हो गया। वहीं जब इस वीडियो की सच्चाई की जांच की गई तो पता चला कि यह क्लिप हाल का नहीं है। यह वीडियो काफी पुराना है, जिसे किसी यूजर ने मौजूदा संदर्भ में दोबारा शेयर कर दिया। परिणामस्वरूप, कई लोगों ने इसे हाल का वीडियो समझ लिया और दोनों भाइयों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह के दावे और चर्चाएं करने लगे। ऐसे में, केवल इस पुराने वीडियो के आधार पर यह कहना सही नहीं होगा कि हार्दिक और क्रुणाल के बीच सब कुछ ठीक हो गया है या उनके रिश्तों पर पड़ी बर्फ पिघल गई है। फिलहाल, दोनों के रिश्ते की मौजूदा स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक या नई जानकारी सामने नहीं आई है।

भारत की इशरूप ने रेपेशॉज मुकाबले में जॉर्जिका को हराया

-कांस्य की उम्मीदें बरकरार

ग्लास्गो (एजेंसी)। राष्ट्रमण्डल खेलों में रविवार का दिन भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास नहीं रहा। भारत की जूडो खिलाड़ी इशरूप नारंग (78 किग्रा) ने कांस्य पदक जीतने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों को निराशा का सामना करना पड़ा और वे प्रतियोगिता से बाहर हो गए। इशरूप ने महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के रेपेशॉज मुकाबले में कैमरून की जॉर्जिका वेस्ली जेंगुए मौने को हराया। इशरूप ने अपनी लंबी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दो युको हासिल किए और अंततः वाजा-आरी के आधार पर मुकाबला जीता। इस जीत के साथ, इशरूप अब कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिससे भारत के लिए पदक की एक और उम्मीद बंधी है। जूडो

में, युको तब दिया जाता है जब कोई खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी को सफलतापूर्वक गिराता है या उसे पांच से नौ सेकंड तक होल्ड-डाउन करता है।

वहीं स्वर्ण पदक जीतने की उनकी उम्मीदें अभियान क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही समाप्त हो गयी थीं। उन्हें इंग्लैंड की एमा रीड ने इप्पोन से मात दी। चार मिनट तक चले इस कड़े मुकाबले में इशरूप को दो पेनल्टी (शिडो) मिलीं, जबकि एमा ने दो वाजा-आरी हासिल कर अपनी जीत तय की। इशरूप ने अपने अभियान की अच्छी शुरुआत करते हुए स्कॉटलैंड की निकोल वुड को हराया था। महिलाओं के 78 किग्रा वर्ग के इस शुरुआती मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा था, जिसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने एक मिनट 40 सेकंड के बाद निर्णायक युको हासिल कर पांच मिनट 40 सेकंड तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की। वहीं, इप्पोन जूडो का सर्वोच्च अंक होता है, जिसके मिलते ही मुकाबला तुरंत समाप्त हो जाता है। वहीं अन्य भारतीय जूडो खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़। पुरुषों के 100 किग्रा वर्ग में भारत के अवतार सिंह को प्री-क्वार्टर फाइनल में साइप्रस के अरिस्टोस माइकल के खिलाफ इप्पोन से हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। इसके अलावा इसी तरह, यश घंगास भी पुरुषों के 100 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में हार के साथ ही बाहर हो गये पाए। उन्हें राउंड 16 में वेल्स के जोशुआ व्हाइटहाउस से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण हासिल नहीं कर पाये बेरवाल, बोले एशियाई खेलों में प्रयास करेंगे

ग्लासगो । भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने राष्ट्रमण्डल खेलों में 90 किलो से अधिक के वर्ग में रजत पदक जीता है। नरेंद्र ने कहा कहा कि अब उनका लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना रहेगा बेरवाल ने पुरुषों के 90 किलो से अधिक वजन वर्ग में रजत पदक जीता पर वह स्वर्ण नहीं जीत पाये। उन्हें फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड केमुक्केबाज डैमर थॉमस के खिलाफ 5-0 से हार का सामना करना पड़ा। बेरवाल इससे निराश दिखे। इसके साथ ही उन्होंने भविष्य के लिए एक मजबूत संकल्प भी जताया। उन्होंने कहा, मैं बहुत कम अंतर से स्वर्ण नहीं जीत पाया। से चूक गया, मैंने अपनी पूरी ताकत लगायी थी। इंग्लैंड के खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला काफी कठिन था। मुझे स्वर्ण पदक न जीत पाने का दुख है पर मैं इस कमी को अगले एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर पूरा करने के प्रयास करूंगा। बेरवाल की ये बातें उनकी दृढ़ता और अगले बड़े लक्ष्य के प्रति उनके समर्पण को दर्शाती हैं। बेरवाल ने भारतीय मुक्केबाजी दल के समग्र प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई भारतीय मुक्केबाज बेहद करीबी मुकाबलों में हार गए, जो थोड़ी निराशाजनक बात थी। बेरवाल के अनुसार, सुमित कुंडू, आदित्य यादव, परवीन हुड्डा और कपिल पोखरिया जैसे खिलाड़ी 3-2 के बेहद करीबी अंतर से हारे। यदि ये मुकाबले हमारे पक्ष में जाते, तो भारत कुल 14 में से 14 पदक जीत सकता था। उन्होंने आगे कहा कि अगले बड़े आयोजनों के लिए टीम और भी बेहतर तैयारी के साथ उतरेगी टूर्नामेंट में बेरवाल का सफर बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में त्रिनिदाद और टोबैगो के नाइजेल पॉल को 5-0 के एकतरफा मुकाबले में हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी।

इंटर मियामी के लिए मेसी की वापसी, कैसिमिरो ने किया 'ओन गोल'

मियामी । अर्जेंटीना के विश्व कप फ़ाइनल में हार के बाद स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी कोलंबस क्रू के साथ 2-2 से ड्रॉ रहे मैच में इंटर मियामी के लिए सब्स्टीट्यूट के तौर पर मैदान पर उतरे। इस मैच में उनके साथी खिलाड़ी कैसिमिरो ने 'ओन गोल' '(अपनी ही टीम के गोलपोस्ट में गोल) कर दिया। 19 जुलाई को अपनी टीम की कप्तानी करते हुए 1-0 से हारने के बाद से मेसी ने कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला था। 39 साल के इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के दौरान आठ गोल किए और चार असिस्ट किए। मेसी शनिवार को मेजर लीग सॉकर मैच में 53वें मिनट में मैदान पर उतरे, इस दौरान इंटर मियामी के घरेलू दर्शकों ने उनका ज़ोरदार तालियों के साथ स्वागत किया। उस समय उनकी टीम 2-1 से आगे चल रही थी। उन्हें तुरंत एक मौका मिला, लेकिन मुश्किल एंगल से बाएं पैर से मारा गया उनका शॉट साइड-नेटिंग में चला गया। मेसी को जल्द ही एक और मौका मिला, लेकिन लुइस सुआरेज़ की गेंद को छाती से रोकने के बाद, उन्होंने जो शॉट मारा, वह गोलपोस्ट के थोड़ा बाहर चला गया। मियामी ने सुआरेज़ के शानदार लॉन्ग-रेंज चिप शॉट से बढ़त बनाई थी। यह चार मैचों में उनका सातवां गोल था। जुलाई में मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद मियामी से जुड़े ब्राज़ील के मिडफील्डर कैसिमिरो ने गलती से कोलंबस के लिए बराबरी का गोल कर दिया। एक क्रॉस को रोकने के प्रयास में उन्होंने गेंद को अपनी ही टीम के नेट में डाल दिया। लेकिन नोआ एलन ने हेडर से घरेलू टीम को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद ब्राइस मेंडेज़ ने अपने डेब्यू मैच में 84वें मिनट में फ्री-किक से गोल करके कोलंबस क्रू को ड्रॉ दिलाया। एडेड टाइम में मेसी के पास जीत दिलाने वाले गोल के कुछ मौके थे, लेकिन उनका एक लूपिंग हेडर थोड़ा बाहर चला गया और फिर दाएं पैर से मारा गया शॉट बार के ऊपर से निकल गया।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 : 'भारत के लिए तीसरा लगातार गोल्ड जीतकर गर्व महसूस हो रहा' : मीराबाई चानू

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय वेटलिफ्टिंग दल स्वदेश लौट आया। दिल्ली पहुंचने पर ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने कहा कि भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीतकर उन्हें बेहद गर्व महसूस हो रहा है। मीराबाई ने इस बार महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड जीतते हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

मीराबाई ने रचा ऐतिहासिक रिकॉर्ड

मीराबाई चानू ने ग्लासगो में गोल्ड जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में अपना चौथा पदक हासिल किया। उन्होंने 2014 में रजत पदक जीता था, जबकि 2018, 2022 और अब 2026 में लगातार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाली दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन गई हैं। दिल्ली पहुंचने पर उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं कि मैंने भारत के लिए पदक जीता। मुझे मणिपुर से होने पर भी गर्व है और खुशी है कि मैं देश के लिए कुछ कर सकी।' दिल्ली एयरपोर्ट पर दिल्ली मीतेई कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ने उनका जोरदार स्वागत किया।

कोच विजय शर्मा ने की जमकर तारीफ

भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने पूरे दल के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मीराबाई की उपलब्धि असाधारण है। उन्होंने कहा, 'मीराबाई सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया की पहली महिला हैं जिन्होंने लगातार चार कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीता है। यह उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है।' कोच ने यह भी बताया कि अब टीम का पूरा फोकस अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स पर रहेगा।

अन्य पदक विजेताओं ने भी जताई खुशी

महिलाओं के 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव ने कहा कि पदक जीतने और देशवासियों से मिले सम्मान से वह बेहद खुश हैं। पुरुष 60 किलोग्राम वर्ग के रजत पदक विजेता ऋषिकांत सिंह ने कहा कि इस सफलता से उन्हें भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए और अधिक प्रेरणा मिली है। वहीं +110 किलोग्राम वर्ग में रजत जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि अब उनका पूरा ध्यान एशियन गेम्स में पदक जीतने पर है।

वेटलिफ्टिंग में भारत का शानदार प्रदर्शन

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय वेटलिफ्टिंग टीम ने कुल 8 पदक जीते।

भारत के पदक विजेता

स्वर्ण (1)= मीराबाई चानू (महिला 48 किग्रा)

रजत (6)= ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा),

हरजिंदर कौर (69 किग्रा), ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), मुथुपांडी राजा (65 किग्रा), वल्लुरी अजय बाबू (79 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)

कांस्य (1)=बिंदियारानी देवी (महिला 58 किग्रा)

भारतीय वेटलिफ्टरों के इस शानदार प्रदर्शन ने ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश की पदक तालिका को मजबूत करने में अहम योगदान दिया।

कनाडा ओपन में खेलेंगे वीनस विलियम्स और एलेक्जेंड्रा एला

टोरंटो। अमेरिका की टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला कनाडा ओपन डब्ल्यूटीए 1000 में टेनिस खेलते हुए नजर आएंगी। अमेरिका की विलियम्स रविवार को वाइल्डकार्ड एंट्री के साथ अपना अभियान शुरू करेंगी; कनाडा में यह उनका 13वां टूर्नामेंट होगा। कनाडा में उनका अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन 2014 में रहा था, जब उन्होंने अपनी बहन सेरेना को हराकर फ़ाइनल में जगह बनाई थी। यह टूर्नामेंट 1 से 13 अगस्त तक चलेगा और महिलाओं के मैच टोरंटो में होंगे। 46 साल की खिलाड़ी पहले राउंड में सेंटर कोर्ट पर उज़्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा का सामना करेंगी। वहीं एला को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में जगह) मिला है, इसलिए वह दूसरे राउंड के लिए मंगलवार या बुधवार को कोर्ट पर उतरेंगी। उनका मुकाबला अमेरिका की एलिसिया पार्क्स या अंडोरा की क्वालिफ़ायर विक्टोरिया जिमेनेज़ कासिंत्सेवा से हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवान भोलेनाथ शिव के रहस्य

भगवान शिव अर्थात पार्वती के पति शंकर जिन्हें महादेव, भोलेनाथ, आदिनाथ आदि कहा जाता है, उनके रहस्य यहां प्रस्तुत हैं।

- बौद्ध साहित्य के मर्मज्ञ अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वान प्रोफेसर उपासक का मानना है कि शंकर ने ही बुद्ध के रूप में जन्म लिया था। उन्होंने पालि ग्रंथों में वर्णित 27 बुद्धों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनमें बुद्ध के 3 नाम अतिप्राचीन हैं– तणंकर, शणंकर और मेघंकर।
- तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत पर उनका निवास है। जहां पर शिव विराजमान हैं उस पर्वत के ठीक नीचे पाताल लोक है जो भगवान विष्णु का स्थान है। शिव के आसन के ऊपर वायुमंडल के पार क्रमश : स्वर्ग लोक और फिर ब्रह्माजी का स्थान है।

• आदिनाथ शिव
सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार–प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें 'आदिदेव' भी कहा जाता है। 'आदि' का अर्थ प्रारंभ। आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम 'आदिश' भी है।

• शिव के अस्त्र–शस्त्र
शिव का धनुष पिनाक, चक्र भवरेंदु और सुदर्शन, अस्त्र पाशुपतास्त्र और शस्त्र त्रिशूल है। उक्त सभी का उन्होंने ही निर्माण किया था।

• शिव का नाग
शिव के गले में जो नाग लिपटा रहता है उसका नाम वासुकि है। वासुकि के बड़े भाई का नाम शेषनाग है।

• शिव की अर्द्धांगिनी
शिव की पहली पत्नी सती ने ही अगले जन्म में पार्वती के रूप में जन्म लिया और वही उमा, उर्मि, काली कही गई हैं।

• शिव के पुत्र
शिव के प्रमुख 6 पुत्र हैं– गणेश, कार्तिकेय, सुकेश, जलंधर, अयप्पा और भूमा। सभी के जन्म की कथा रोचक है।

• शिव के शिष्य
शिव के 7 शिष्य हैं जिन्हें प्रारंभिक सप्तऋषि माना गया है। इन ऋषियों ने ही शिव के ज्ञान को संपूर्ण धरती पर प्रचारित किया जिसके चलते भिन्न–भिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। शिव ने ही गुरु और शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के शिष्य हैं– बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज इसके अलावा 8वें गौरशिरस मुनि भी थे।

• शिव के गण
शिव के गणों में भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय प्रमुख हैं। इसके अलावा, पिशाच, दैत्य और नाग–नागिन, पशुओं को भी शिव का गण माना जाता है। शिवगण नंदी ने ही 'कामशास्त्र' की रचना की थी। 'कामशास्त्र' के आधार पर ही 'कामसूत्र' लिखा गया।

• शिव पंचायत
भगवान सूर्य, गणपति, देवी, रुद्र और विष्णु ये शिव पंचायत कहलाते हैं।

• शिव के द्वारपाल
नंदी, स्कंद, रिटी, वृषभ, भृंगी, गणेश, उमा–महेश्वर और महाकाल।

• शिव पार्षद
जिस तरह जय और विजय विष्णु के पार्षद हैं उसी तरह बाण, रावण, चंड, नंदी, भृंगी आदि शिव के पार्षद हैं।

• सभी धर्मों का केंद्र शिव
शिव की वेशभूषा ऐसी है कि प्रत्येक धर्म के लोग उनमें अपने प्रतीक ढूंढ सकते हैं। मुशरिक, यजीदी, साबिईन, सुबी, इब्राहीमी धर्मों में शिव के होने की छाप स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। शिव के शिष्यों से एक ऐसी परंपरा की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर शैव, सिद्ध, नाथ, दिगंबर और सूफी संप्रदाय में विभक्त हो गई।

• देवता और असुर दोनों के प्रिय शिव
भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं। वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी। उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था। शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं।

• शिव चिह्न
वनवासी से लेकर सभी साधारण व्यक्ति जिस चिह्न की पूजा कर सकें, उस पत्थर के ढेले, बटिया को शिव का चिह्न माना जाता है। इसके अलावा रुद्राक्ष और त्रिशूल को भी शिव का चिह्न माना गया है। कुछ लोग डमरू और अर्द्ध चन्द्र को भी शिव का चिह्न मानते हैं, हालांकि ज्यादातर लोग शिवलिंग अर्थात शिव की ज्योति का पूजन करते हैं।

• शिव की गुफा
शिव ने भस्मासुर से बचने के लिए एक पहाड़ी में अपने त्रिशूल से एक गुफा बनाई और वे फिर उसी गुफा में छिप गए। वह गुफा जम्मू से 150 किलोमीटर दूर त्रिकूटा की पहाड़ियों पर है। दूसरी ओर भगवान शिव ने जहां पार्वती को अमृत ज्ञान दिया था वह गुफा 'अमरनाथ गुफा' के नाम से प्रसिद्ध है।

• शिव के अवतार
वीरभद्र, पिप्पलाद, नंदी, भैरव, महेश, अश्वत्थामा, शरभावतार, गृहपति, दुर्वासा, हनुमान, वृषभ, यतिनाथ, कृष्णदर्शन, अवधूत, भिक्षुवर्य, सुरेश्वर, किरात, सुनटनर्तक, ब्रह्मचारी, यक्ष, वैश्यानाथ, द्विजेश्वर, हंसरूप, द्विज, नतेश्वर आदि हुए हैं। वेदों में रुद्रों का जिक्र है। रुद्र 11 बताए जाते हैं– कपाली, पिंगल, भीम, विरुपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, आपिर्बुध्य, शंभू, चण्ड तथा भव।

• शिव का विरोधाभासिक परिवार
शिवपुत्र कार्तिकेय का वाहन मयूर है, जबकि शिव के गले में वासुकि नाग है। स्वभाव से मयूर और नाग आपस में दुश्मन हैं। इधर गणपति का वाहन चूहा है, जबकि सांप मूषकभक्षी जीव है। पार्वती का वाहन शेर है, लेकिन शिवजी का वाहन तो नंदी बैल है। इस विरोधाभास या वैचारिक भिन्नता के बावजूद परिवार में एकता है।

• शिव के पैरों के निशान
श्रीपद– श्रीलंका में रतन द्वीप पहाड़ की चोटी पर स्थित श्रीपद नामक मंदिर में शिव के पैरों के निशान हैं। ये पदचिह्न 5 फुट 7 इंच लंबे और 2 फुट 6 इंच चौड़े हैं। इस स्थान को सिवानोलीपदम कहते हैं। कुछ लोग इसे आदम पीक कहते हैं।
रुद्र पद– तमिलनाडु के नागपट्टीनम जिले के थिरुवेंगडू क्षेत्र में श्रीस्वेदारण्येश्वर का मंदिर में शिव के पदचिह्न हैं जिसे 'रुद्र पदम' कहा जाता है। इसके अलावा थिरुवन्नामलाई में भी एक स्थान पर शिव के पदचिह्न हैं।
तेजपुर– असम के तेजपुर में ब्रह्मपुत्र नदी के पास स्थित रुद्रपद मंदिर में शिव के दाएं पैर का निशान है।
जागेश्वर– उत्तराखंड के अल्मोड़ा से 36 किलोमीटर दूर जागेश्वर मंदिर की पहाड़ी से लगभग साढ़े 4 किलोमीटर दूर जंगल में भीम के मंदिर के पास शिव के पदचिह्न हैं। पांडवों को दर्शन देने से बचने के लिए उन्होंने अपना एक पैर यहां और दूसरा कैलाश में रखा था।
रांची– झारखंड के रांची रेलवे स्टेशन से 7 किलोमीटर की दूरी पर 'रांची हिल' पर शिवजी के पैरों के निशान हैं। इस स्थान को 'पहाड़ी बाबा मंदिर' कहा जाता है।

- **शिव भक्त** : ब्रह्मा, विष्णु और सभी देवी–देवताओं सहित भगवान राम और कृष्ण भी शिव भक्त है। हरिवंश पुराण के अनुसार, कैलास पर्वत पर कृष्ण ने शिव को प्रसन्न करने के लिए तपस्या की थी। भगवान राम ने रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापित कर उनकी पूजा–अर्चना की थी।
- **शिव ध्यान** : शिव की भक्ति हेतु शिव का ध्यान–पूजन किया जाता है। शिवलिंग को बिल्वपत्र चढ़ाकर शिवलिंग के समीप मंत्र जाप या ध्यान करने से मोक्ष का मार्ग पुष्ट होता है।
- **शिव मंत्र** : दो ही शिव के मंत्र हैं पहला– ऊं नम : शिवाय। दूसरा महामृत्युंजय मंत्र– ऊं हरौं जू स : । ऊं भू : भुव : स्व : । ऊं त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात। स्व : भुव : भू : ऊं। स : जू हरौं ऊं, है।
- **शिव व्रत और त्योहार** : सोमवार, प्रदोष और श्रावण मास में शिव व्रत रखे जाते हैं। शिवरात्रि और महाशिवरात्रि शिव का प्रमुख पर्व त्योहार है।
- **शिव प्रचारक** : भगवान शंकर की परंपरा को उनके शिष्यों बृहस्पति, विशालाक्ष (शिव), शुक्र, सहस्राक्ष, महेन्द्र, प्राचेतस मनु, भरद्वाज, अगस्त्य मुनि, गौरशिरस मुनि, नंदी, कार्तिकेय, भैरवनाथ आदि ने आगे बढ़ाया। इसके अलावा वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, नंदी, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, बाण, रावण, जय और विजय ने भी शैवपंथ का प्रचार किया। इस परंपरा में सबसे बड़ा नाम आदिगुरु भगवान दत्तात्रेय का आता है। दत्तात्रेय के बाद आदि शंकराचार्य, मत्स्येन्द्रनाथ और गुरु गुरुगोरखनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है।

हर हर महादेव

- **शिवलिंग**
वायु पुराण के अनुसार प्रलयकाल में समस्त सृष्टि जिसमें लीन हो जाती है और पुन : सृष्टिकाल में जिससे प्रकट होती है, उसे लिंग कहते हैं। इस प्रकार विश्व की संपूर्ण ऊर्जा ही लिंग की प्रतीक है। वस्तुत : यह संपूर्ण सृष्टि बिंदु–नाद स्वरूप है। बिंदु शक्ति है और नाद शिव। बिंदु अर्थात ऊर्जा और नाद अर्थात ध्वनि। यही दो संपूर्ण ब्रह्मांड का आधार है। इसी कारण प्रतीक स्वरूप शिवलिंग की पूजा–अर्चना है।

- **बारह ज्योतिर्लिंग**
सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, वैद्यनाथ, भीमशंकर, रामेश्वर, नागेश्वर, विश्वनाथजी, त्र्यम्बकेश्वर, केदारनाथ, घृष्णेश्वर। ज्योतिर्लिंग उत्पत्ति के संबंध में अनेकों मान्यताएं प्रचलित है। ज्योतिर्लिंग यानी 'व्यापक ब्रह्मात्मलिंग' जिसका अर्थ है 'व्यापक प्रकाश'। जो शिवलिंग के बारह खंड हैं। शिवपुराण के अनुसार ब्रह्म, माया, जीव, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी को ज्योतिर्लिंग या ज्योति पिंड कहा गया है। दूसरी मान्यता अनुसार शिव पुराण के अनुसार प्राचीनकाल में आकाश से ज्योति पिंड पृथ्वी पर गिरे और उनसे थोड़ी देर के लिए प्रकाश फैल गया। इस तरह के अनेकों उल्का पिंड आकाश से धरती पर गिरे थे। भारत में गिरे अनेकों पिंडों में से प्रमुख बारह पिंड को ही ज्योतिर्लिंग में शामिल किया गया।

- **शिव का दर्शन**
शिव के जीवन और दर्शन को जो लोग यथार्थ दृष्टि से देखते हैं वे सही बुद्धि वाले और यथार्थ को पकड़ने वाले शिवभक्त हैं, क्योंकि शिव का दर्शन कहता है कि यथार्थ में जियो, वर्तमान में जियो, अपनी चित्तवृत्तियों से लड़ो मत, उन्हें अजनबी बनकर देखो और कल्पना का भी यथार्थ के लिए उपयोग करो। आइंस्टीन से पूर्व शिव ने ही कहा था कि कल्पना ज्ञान से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

- **शिव और शंकर**
शिव का नाम शंकर के साथ जोड़ा जाता है। लोग कहते हैं– शिव, शंकर, भोलेनाथ। इस तरह अनजाने ही कई लोग शिव और शंकर को एक ही सत्ता के दो नाम बताते हैं। असल में, दोनों की प्रतिमाएं अलग–अलग आकृति की हैं। शंकर को हमेशा तपस्वी रूप में दिखाया जाता है। कई जगह तो शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए दिखाया गया है। अत : शिव और शंकर दो अलग अलग सत्ताएं है। हालांकि शंकर को भी शिवरूप माना गया है। माना जाता है कि महेष (नंदी) और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं। रुद्र देवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

- **देवों के देव महादेव**
देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी। ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे। दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। वे राम को भी वरदान देते हैं और रावण को भी।

- **शिव हर काल में**
भगवान शिव ने हर काल में लोगों को दर्शन दिए हैं। राम के समय भी शिव थे। महाभारत काल में भी शिव थे और विक्रमादित्य के काल में भी शिव के दर्शन होने का उल्लेख मिलता है। भविष्य पुराण अनुसार राजा हर्षवर्धन को भी भगवान शिव ने दर्शन दिए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर रूस का भीषण हमला : कीव पर बरसाईं मिसाइलें और ड्रोन, तीन की मौत

कीव , एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शुक्रवार रात से शनिवार तड़के तक बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़ा हमला किया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने टेलीग्राम पर बताया कि सोलोमियांस्की जिले में पांच मंजिला एक रिहायशी इमारत मलबा गिरने से क्षतिग्रस्त हो गई। इमारत के भीतर कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, इमारत के आंगन में आग भी लग गई। क्लिचको ने बताया कि शेवचेंकिव्स्की जिले की एक अन्य रिहायशी इमारत की पहली और दूसरी मंजिल का हिस्सा ढह गया। यहां भी लोगों के फंसे होने की सूचना है। उन्होंने बताया कि राजधानी के डारनित्स्की जिले में गोदामों में भी आग लग गई है। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब दो दिन पहले ही रूस ने पूरे यूक्रेन में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया था। उस हमले में 10 नागरिकों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। वहीं, रूस की एक मिसाइल पोलैंड के हवाई क्षेत्र में भी प्रवेश कर गई थी।

एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए पीएम मोदी को न्योता देगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह 2027 में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए भारत को न्योता भेजेगा। पाकिस्तान का कहना है कि शिखर सम्मेलन के मेजबान के तौर पर सभी सदस्य देशों को न्योता देना उसकी जिम्मेदारी है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बृहस्पतिवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या 2027 के एससीओ समिट के मेजबान के नाते पाकिस्तान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समिट के लिए न्योता दिया जाएगा। अंद्राबी ने कहा, हां, शंघाई सहयोग संगठन के सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को न्योता दिया जाएगा, अगर वे सरकार प्रमुख के स्तर पर शामिल होना चाहें। न्योता भेजा जाएगा क्योंकि मेजबान के तौर पर यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है। हम समिट मीटिंग के लिए सभी राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों को न्योता देंगे। एससीओ की शिखर बैठकराष्ट्रपति स्तर पर होती है। एससीओ समिट और सरकार के प्रमुखों की बैठकों में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री बारी-बारी से हिस्सा लेते हैं।

10 मेंबर्स के साथ ब्रॉड पीक पर चढ़ाई कर रहे थे ; 4 शव बरामद, रेस्क्यू जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुर्जा पाकिस्तान में हिमस्खलन यानी एवलांच की चपेट में आने के बाद लापता हो गए हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, काराकोरम इलाके में 8,051 मीटर ऊंचे ब्रॉड पीक पर चढ़ाई के दौरान करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हादसा हुआ। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पुर्जा के साथ 9 मेंबर थे। शिखर पर चढ़ने की कोशिश के दौरान बर्फीले तूफान ने 10 सदस्यीय टीम को अपनी चपेट में ले लिया। लापता होने वालों में नेपाल के 6, पाकिस्तान, ओमान, अमेरिका और चीन का एक-एक पर्वतारोही शामिल है। इनमें से 4 के शव बरामद कर लिए गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है, लेकिन खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। एवरेस्ट क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक निर्मल पुर्जा के जीपीएस ट्रैकर में हल्की हलचल देखी गई है। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना है कि यह तकनीकी खराबी भी हो सकती है। ट्रैकिंग डेटा के अनुसार गुरुवार सुबह 9:38 बजे पुर्जा 6,659 मीटर की ऊंचाई पर थे। इसके बाद सुबह 10:18 बजे 800 मीटर की तेजी से गिरावट दर्ज की गई, जो एवलांच के समय से मेल खाती है। नेपाल पर्वतारोहण संघ के पूर्व अध्यक्ष आंग शेरिंग शेरपा ने बताया कि खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर पहाड़ी इलाके में उतर नहीं पा रहे हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि वे पाकिस्तान में स्थित नेपाली दूतावास के जरिए पाकिस्तानी सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं। और पर्वतारोहियों की सुरक्षित वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान के उपाध्यक्ष करार हैदरी ने बताया कि हिमस्खलन के बाद से पूरी टीम से संपर्क टूट गया है। क्लब ने कहा कि वे सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर हर संभव संसाधन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में 3 महीनों में 74 लोगों की हत्या, कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अप्रैल से जून 2026 के बीच हिंसा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर मानवाधिकार संगठन अधिकार की ताजा रिपोर्ट ने गंभीर चिंताएं जताई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस तीन महीने की अवधि में भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में कुल 74 लोगों की मौत हुई, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए। संगठन का कहना है कि भीड़ द्वारा की गई अधिकांश हत्याएं चोरी, डकैती या धार्मिक भावनाएं आहत करने के संदेह में की गईं, जो न्याय व्यवस्था पर लोगों के घटते भरोसे की ओर संकेत करती हैं।

रिपोर्ट में राजनीतिक दलों के भीतर गुटबाजी, जबरन वसूली और क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर बढ़ते संघर्षों का भी उल्लेख किया गया है। इसके अलावा महिलाओं के खिलाफ अपराध, कथित न्यायेतर हत्याएं, जेलों में क्षमता से दोगुने कैदियों की मौजूदगी और पत्रकारों पर हमलों को भी प्रमुख मुद्दों के रूप में सामने रखा गया है। मानवाधिकार संगठन ने सरकार से स्वतंत्र जांच, जवाबदेही तय करने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग की है ताकि हिंसा और मानवाधिकार उल्लंघनों की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

भीड़ हिंसा पर गंभीर चिंता : रिपोर्ट के मुताबिक, भीड़ द्वारा मारे गए अधिकांश लोगों पर चोरी या डकैती का संदेह था। कुछ लोगों की हत्या गांवों में

होने वाली अनौपचारिक पंचायतों (सलिश) के दौरान या धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में की गई। संगठन ने कहा कि यह स्थिति कानून व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर लोगों के घटते भरोसे को दर्शाती है, जिसके कारण लोग खुद कानून हाथ में ले रहे हैं।

राजनीतिक गुटबाजी बनी वजह : वहीं रिपोर्ट में आगे बताया गया कि इस अवधि में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के भीतर आपसी संघर्ष की 57 घटनाएं दर्ज हुईं, जबकि नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) में दो घटनाएं सामने आईं। बीएनपी की अंदरूनी गुटबाजी में चार लोगों की मौत हुई और 400 लोग घायल हुए, जबकि एनसीपी के आंतरिक संघर्ष में 16 लोग घायल हुए। बीएनपी के भीतर विवाद जबरन वसूली, क्षेत्रीय वर्चस्व, खुदाई की मिट्टी की बिक्री, स्थानीय चुनाव टिकट, पार्टी सम्मेलन और राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर थे। कई घटनाओं में आग्नेयास्त्र और अन्य घातक हथियारों का इस्तेमाल भी किया गया।

तीन महीने में 74 मौतें : मानवाधिकार संगठन ने आरोप लगाया कि बीएनपी के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं पर जबरन वसूली, जमीन कब्जाने, अपहरण, दुष्कर्म, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों पर हमले, पुलिस के काम में बाधा डालने और राजनीतिक विरोधियों पर हमले जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। बांग्लादेश के मानवाधिकार संगठन 'अधिकार' की तिमाही रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल-जून 2026 के दौरान भीड़ हिंसा और राजनीतिक संघर्षों में 74 लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध, जेलों में भीड़भाड़ और पत्रकारों पर हमलों को भी गंभीर चिंता का विषय बताया गया। रिपोर्ट में महिलाओं के खिलाफ अपराध पर भी चिंता जताई गई है। अप्रैल-जून के दौरान 255 दुष्कर्म पीड़ितों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया, जिनमें 93 महिलाएं और 161 लड़कियां शामिल थीं। संगठन ने कहा कि डीएनए जांच की सीमित सुविधा, मेडिकल रिपोर्ट में देरी, पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा का अभाव तथा अदालतों में लंबित मामलों के कारण दुष्कर्म पीड़ितों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। बता दें कि रिपोर्ट में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कथित तीन न्यायेतर हत्याओं (एक्स्ट्रा ज्यूडिशियल किलिंग) का भी उल्लेख किया गया है। इनमें एक व्यक्ति की कथित तौर पर डिटेक्टिव ब्रांच की हिरासत में यातना से मौत, एक व्यक्ति की मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग की कार्रवाई के दौरान पिटाई से मौत और एक मछुआरे की वन विभाग की गश्ती टीम द्वारा गोली मारकर हत्या शामिल है। रिपोर्ट में दी गई जानकारी के अनुसार, 17 मई तक बांग्लादेश की 75 जेलों में उनकी क्षमता 43,157 के मुकाबले 85,000 से अधिक कैदी बंद थे। इस दौरान बीमारी के कारण 16 कैदियों की मौत हुई। संगठन ने जेलों में भीड़भाड़, अपर्याप्त भोजन और डॉक्टरों की कमी को गंभीर समस्या बताया। मानवाधिकार संगठन ने यह भी कहा कि इस अवधि में पत्रकारों पर हमलों की कई घटनाएं हुईं। 17 पत्रकार घायल, पांच के साथ मारपीट, चार पर हमले और सात को धमकियां दी गईं।

स्यूटा माइग्रेशन संकट: इटली के बाद फ्रांस ने भी स्पेन के साथ बॉर्डर कंट्रोल किया सख्त

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मोरक्को के उत्तर में स्थित स्पेनिश इलाके स्यूटा में बड़ी संख्या में माइग्रेंट्स आने के बाद फ्रांस ने स्पेन के साथ सीमा नियंत्रण बढ़ा दिया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सेउटा में शेंगेन क्षेत्र की तरह मुक्त आवागमन की सुविधा नहीं है। हालांकि, मैंने कल गृह मंत्री से कहा था कि यदि जरूरत पड़ी तो स्पेन से लगी हमारी सीमा पर नियंत्रण और कड़ा किया जाए। इसके लिए चार मोबाइल पुलिस इकाइयां, एक विमान और ड्रोन तैनात किए गए हैं।' स्यूटा के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, हाल के दिनों में करीब 60,000 माइग्रेंट्स जमीन और समुद्र के रास्ते से गैर-कानूनी तरीके से स्यूटा में घुसे हैं। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने स्पैनिश डेली एल पेस के हवाले से बताया कि तैरकर इलाके में पहुंचने की कोशिश करते समय 57 माइग्रेंट्स की मौत हो गई।

स्पेनिश सरकार ने बताया कि शुक्रवार दोपहर तक, करीब 48,000 माइग्रेंट्स मोरक्को लौटने के लिए स्पैनिश इलाके को छोड़ चुके थे।

इस बीच, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने शुक्रवार शाम को कहा कि रोम इटली की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। पीएम मेलोनी के इस फैसले में स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है।

पीएम मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा बयान में जोर देकर कहा, 'स्यूटा से आ रही तस्वीरें हैरान करने वाली हैं और एक बार फिर दिखाती हैं कि बिना कंट्रोल वाला गैर-कानूनी इमिग्रेशन यूरोप के बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एक पक्का खतरा है। मैंने गृह मंत्री माटेओ पियांटेडोसी से बात की है। इटली चुपचाप खड़ा होकर नहीं देखेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम संबंधित विभाग को बुला रहे हैं, और इन बैठकों के बाद हम सीमा की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा के लिए खास कदम उठाने के लिए तैयार हैं, जिसमें स्पेन के साथ शेंगेन एरिया को सस्पेंड करना भी शामिल है। गैर-कानूनी इमिग्रेशन पर हम एक इंच भी पीछे नहीं हटेंगे। सीमा की रक्षा करना, मानव तस्करी को रोकना और प्रभावी तरीके से लोगों को वापस लाना इस सरकार की लाइन बनी रहेगी।

इटली के डिप्टी पीएम एंटोनियो तजानी ने भी ऐसी ही अपील की। तजानी ने स्पेन सरकार के 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पैनिश और यूरोपीय नागरिकता देने के फैसले को बहुत गलत बताया और स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने का सपोर्ट किया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, 'मैं स्पेन के लिए शेंगेन एरिया बंद करने के पक्ष में हूं, और मुझे मंत्री पियांटेडोसी पर पूरा भरोसा है। अनियमित और अनियंत्रित इमिग्रेशन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। सेउटा से आ रही तस्वीरें दिखाती हैं कि मैड्रिड सरकार का 500,000 से ज्यादा अनियमित इमिग्रेंट्स को स्पेनिश और, इसलिए यूरोपीय नागरिकता देने का फैसला कितना गलत है और मानव तस्करी को बढ़ावा देता है।

मॉस्को के रेस्टोरेंट के बाहर बम धमाका, 3 की मौत, 21 घायल

मॉस्को। रूस की राजधानी मॉस्को में शनिवार शाम एक निजी कार्यक्रम के दौरान हुए बम धमाके ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। शहर के व्यस्त इलाके में स्थित बाल्जी रसोई रेस्टोरेंट के बाहर हुए विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 21 अन्य घायल हुए हैं। मृतकों में वह महिला भी शामिल बताई जा रही है, जो कथित तौर पर एक गिफ्ट बॉक्स लेकर रेस्टोरेंट पहुंची थी। यह धमाका मॉस्को के कुद्रिन्स्काया स्क्वायर स्थित रेस्टोरेंट के प्रवेश द्वार के पास हुआ। घटना के समय रेस्टोरेंट आम ग्राहकों के लिए बंद था और वहां एक निजी कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा था। यह इलाका मॉस्को के प्रमुख और संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। शुरुआती जांच के अनुसार, महिला एक कूरियर की तरह गिफ्ट बॉक्स लेकर वहां पहुंची थी। सुरक्षा गार्ड को पैकेट पर शक हुआ और वह उसकी जांच करने लगा। इसी दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। जांचकर्ताओं का मानना है कि धमाका रिमोट कंट्रोल से कराया गया हो सकता है। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक विस्फोटक में करीब एक किलोग्राम टीएनटी के बराबर सामग्री थी। इसमें धातु की छोटी-छोटी गोलियां भी शामिल थीं, ताकि विस्फोट के दौरान ज्यादा नुकसान हो सके। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि हमले के पीछे कौन है और इसका उद्देश्य क्या था। जांच एजेंसियां महिला की भूमिका की भी जांच कर रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि संभव है कि महिला को खुद इस बात की जानकारी न हो कि जिस पैकेट को वह पहुंचाने आई थी, उसमें विस्फोटक मौजूद था। अधिकारियों का मानना है कि असली निशाना रेस्टोरेंट में चल रहा निजी कार्यक्रम हो सकता है, जिसमें कई विशेष मेहमान शामिल थे। विस्फोट के बाद पूरे इलाके को तुरंत घेर लिया गया। पुलिस, फोरेंसिक विशेषज्ञ और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अधिकारियों ने मामले की जांच तेज कर दी है। फिलहाल किसी आतंकी संगठन या संदिग्ध व्यक्ति का नाम सामने नहीं आया है। सुरक्षा एजेंसियां घटनास्थल से मिले सबूतों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर धमाके की पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी हैं।

रूस के हमले में 9 की मौत, जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से पैट्रियट मिसाइलें मांगी, बोले- यूक्रेन भेजो, गोदामों में न रखो

कीव (एजेंसी)। रूस के ताजा मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिका और यूरोपीय देशों से तुरंत पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के इंटरसेप्टर मिसाइल भेजने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ये मिसाइलें लोगों की जान बचाने के लिए हैं, इसलिए इन्हें गोदामों में रखने के बजाय यूक्रेन भेजा जाना चाहिए। रूस ने शनिवार रात कीव समेत कई शहरों पर बड़े पैमाने पर हमला किया था। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक हमले में 9 लोगों की मौत हुई, जबकि करीब 40 लोग घायल हुए हैं।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि रूस ने रातभर में 35 मिसाइलें, जिनमें 27 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं, और करीब 185-190 ड्रोन दागे। इनमें से यूक्रेन केवल एक बैलिस्टिक मिसाइल को ही रोक सका, क्योंकि पैट्रियट सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोप जानते हैं कि हमें क्या चाहिए। अब

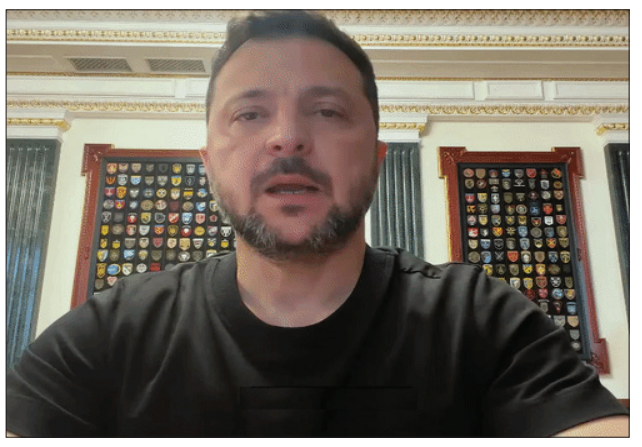

केवल राजनीतिक फैसला लेने की जरूरत है। बैलिस्टिक रोधी मिसाइलें लोगों की रक्षा करें, गोदामों में न पड़ी रहें। हर दिन की देरी रूस को हमारे लोगों की जान लेने का एक और मौका देती है।

रूस नई रणनीति अपना रहा, नए प्रतिबंध लगाएं

जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस अब जेट इंजन से लैस शाहेद ड्रोन का अधिक इस्तेमाल कर रहा है और युद्ध लंबा खिंचने का फायदा उठाकर नई हमलावर रणनीतियां विकसित कर रहा है। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से रूस के मिसाइल, लॉन्चर और हथियार उद्योग से जुड़े लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाने की भी अपील की। साथ ही कहा कि रूस के तेल शोधन और ईंधन क्षेत्र को मिलने वाली मदद रोकना भी जरूरी है, ताकि उसकी युद्ध क्षमता कमजोर हो सके।

सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि हमले में कीव स्थित यूक्रेन के सैन्य-औद्योगिक प्रतिष्ठानों और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निशाना बनाया गया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि हमले में रिहायशी इलाके और नागरिक भी प्रभावित हुए। जेलेंस्की ने रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अमेरिका के साथ होने वाली आगामी कूटनीतिक बातचीत की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यूक्रेन को हथियारों और वायु रक्षा प्रणाली को लेकर सहयोगी देशों से ठोस समर्थन मिलेगा।

घरों में लूटपाट, सड़कों पर आगजनी... कैसे सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला पड़ा भारी? प्रवासी हिंसा से दहल उठा स्पेन

मैड्रिड, एजेंसी। यूरोप के देश स्पेन में इस समय युद्ध जैसे हालात बने हुए हैं। उत्तरी अफ्रीका में स्थित स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र सेउटा में मोरक्को से लगभग 60,000 अवैध प्रवासियों की भारी भीड़ ने अचानक घुसपैठ कर दी है। समुद्र के रास्ते तैरकर और छोटी नावों के जरिए आए इन प्रवासियों ने सेउटा की सड़कों पर जमकर उत्पाद मचाया है, जिससे समूचे यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस दौरान हुई हिंसा, भगदड़ और समुद्र में डूबने की घटनाओं में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने खोली घुसपैठ की राह : इस संकट के पीछे स्पेन की सुप्रीम कोर्ट का एक हालिया कानूनी फैसला मुख्य कारण बताया जा रहा है।

दरअसल, कोर्ट ने व्यवस्था दी थी कि समुद्र के रास्ते स्पेन की सीमा में प्रवेश करने वाले प्रवासियों को बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के तुरंत वापस नहीं भेजा जा सकता। इस कानूनी खामी का फायदा उठाकर हजारों की संख्या में युवा और बच्चे समुद्र के रास्ते सेउटा और मेलिला के तटों पर पहुंच गए। सेउटा के राष्ट्रपति जुआन जीसस विवास ने इसे एक बड़ा 'मानवीय और सामाजिक आपातकाल' घोषित किया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सेउटा की सड़कों पर अराजकता का माहौल है। भूख से बेहाल प्रवासियों की भीड़ जबरन लोगों के घरों और दुकानों में घुस रही है। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया और इमारतों की खिड़कियां तोड़कर अंदर दाखिल होने की कोशिश की। स्थिति को संभालने के लिए स्पेन सरकार ने सेना और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं, लेकिन भीड़ इतनी अधिक है कि सुरक्षाकर्मी खुद को बेबस महसूस कर रहे हैं। स्पेन के इस संकट ने पड़ोसी यूरोपीय देशों की भी नींद उड़ा दी है। चूंकि स्पेन यूरोपीय संघ का हिस्सा है, इसलिए वहां से प्रवासियों के अन्य देशों में फैलने का खतरा बढ़ गया है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने इसे यूरोप की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा बताया है और संकेत दिए हैं।

श्रीलंका ईस्टर धमाकों पर बड़ा फैसला, अदालत ने कौन से बड़े अधिकारियों को ठहराया दोषी?

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका में 2019 के ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के पूर्व शीर्ष अधिकारी हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने उन्हें पहले से मिली खुफिया चेतावनियों पर कार्रवाई नहीं करने का दोषी माना। अदालत ने अपने फैसले में क्या कहा और यह मामला फिर कैसे खुला? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं... श्रीलंका के 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए देश के पूर्व पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा और रक्षा मंत्रालय के तत्कालीन शीर्ष नौकरशाह हेमासिरी फर्नांडो को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों को पहले से मिली खुफिया जानकारी पर कार्रवाई नहीं करने और अपने कर्तव्य में आपराधिक लापरवाही बरतने का दोषी ठहराया। अदालत ने कहा कि समय रहते कार्रवाई होती तो इस बड़े हमले को रोका जा सकता था।

ईस्टर संडे हमले में क्या हुआ था : 21 अप्रैल 2019 को ईस्टर संडे के दिन श्रीलंका में चर्चों और लग्जरी होटलों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार आत्मघाती बम धमाके किए गए थे। इन हमलों में 279 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 45 विदेशी नागरिक भी शामिल थे। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। यह श्रीलंका के इतिहास के सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक माना जाता है। जांच में सामने आया था कि हमले से पहले भारत की एजेंसियों ने संभावित हमले को लेकर खुफिया सूचना दी थी।

अदालत ने दोनों अधिकारियों को किस आधार पर दोषी माना : हाई कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ में न्यायमूर्ति प्रियंथा लियानागे और न्यायमूर्ति थिलकरत्ने बंडारा ने बहुमत के फैसले में कहा कि खुफिया जानकारी पर लापरवाही बरतने के कारण 268 लोगों की जान गई और 586 लोग घायल हुए। अदालत ने कहा कि तत्कालीन पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे। अदालत ने दोनों अधिकारियों को आपराधिक लापरवाही का दोषी मानते हुए मौत की सजा सुनाई। हालांकि, पीठ के तीसरे सदस्य न्यायमूर्ति विराज वीरसूर्या ने असहमति जताते हुए दोनों को बरी करने का मत दिया।

यह मामला दोबारा अदालत तक कैसे पहुंचा : पुजित जयसुंदरा और हेमासिरी फर्नांडो को 2019 में गिरफ्तार किया गया था। दोनों चार महीने तक हिरासत में रहे और बाद में जमानत पर रिहा हुए। नवंबर 2021 में उन पर भारतीय एजेंसियों से मिली खुफिया चेतावनी के बावजूद कार्रवाई नहीं करने के आरोप में अभियोग तय किए गए। हालांकि फरवरी 2022 में हाई कोर्ट ने दोनों को बरी कर दिया था और उनके खिलाफ लगाए गए सभी 855 आरोप खारिज कर दिए थे। बाद में अटॉर्नी जनरल ने इस फैसले को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि पिछली सुनवाई में बचाव पक्ष का कोई गवाह पेश नहीं हुआ था। इसके बाद नवंबर 2024 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मामले की फिर से सुनवाई शुरू हुई।

तत्कालीन सरकार पर क्या आरोप लगे : हमलों के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना की सरकार पर भी गंभीर सवाल उठे थे। आरोप था कि भारत से पहले ही हमले की चेतावनी मिलने के बावजूद सरकार ने समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए। अदालत के फैसले के बाद पुजित जयसुंदरा श्रीलंका पुलिस के 150 से अधिक वर्षों के इतिहास में ऐसे सबसे वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें मुकदमे के बाद मौत की सजा सुनाई गई है।

भारत की नकल कर पाकिस्तान ने बनाई 'कॉकरोच पार्टी'

इस्लामाबाद, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन का असर अब पाकिस्तान में भी दिखने लगा है। भारत के युवाओं के आइडिया को चुराते हुए सोशल मीडिया पर 'कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान' नाम से खाता बनाया गया है। यह सोशल मीडिया खाता भ्रष्टाचार, खराब शासन और आर्थिक संकट के मुद्दों को उठा रहा है।

क्या है इस समूह का एजेंडा: इस समूह का कहना है कि उसका एजेंडा आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता, अच्छी शिक्षा, देश के ऊर्जा संकट को हल करना और पानी की कमी की समस्या दूर करना है। इंस्टाग्राम पर इस समूह के खाते पर 1.12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। आंदोलन का नारा है - पाकिस्तान इसके लोगों का है, भ्रष्ट माफियाओं का नहीं। समूह खुद को युवाओं की ओर से चलाया जा रहा एक ऐसा अभियान बताता है, जो एकता और बदलाव की बात करता है। इंस्टाग्राम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस खाते को मई में बनाया गया था और इसे कनाडा से चलाया जा रहा है। इसी महीने इसे सत्यापित (वेरिफाइड) भी किया गया है।

क्या राजनीति में उतरने की तैयारी है : कॉकरोच पार्टी पाकिस्तान ने पार्टी के अलग-अलग पदों के लिए आवेदन भी मांगे हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह समूह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि अपना संगठन खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

घोषणापत्र में समूह ने क्या कहा : हाल ही में जारी किए गए अपने घोषणापत्र में समूह ने कहा कि यह आम पाकिस्तानियों खासकर युवाओं की आवाज है। ये लोग भ्रष्टाचार, परिवारवाद वाली

राजनीति और ऐसी व्यवस्था से परेशान हैं, जहां कुछ खास लोगों को ज्यादा लाभ मिलता है। समूह ने पारदर्शिता, जवाबदेही और लोकतांत्रिक सुधारों को बढ़ावा देने का वादा किया है। साथ ही रोजगार बढ़ाने, शिक्षा, शासन व्यवस्था में सुधार और पाकिस्तान के ऊर्जा संकट के समाधान को अपनी प्राथमिकता बताया है।

क्या राजनीतिक बदलाव ला पाएगा समूह : हालांकि, सोशल मीडिया पर इसकी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद इस आंदोलन के वास्तविक जनसमर्थन, संगठन की ताकत और ऑनलाइन समर्थन को एक बड़े राजनीतिक प्रभाव में बदलने की क्षमता पर सवाल बने हुए हैं।

पाकिस्तान में क्यों बढ़ रही ऐसी नाराजगी : ऐसे समूहों का सामने आना पाकिस्तान में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और शासन से जुड़ी परेशानियों के प्रति लोगों की नाराजगी को भी दिखाता है। पाकिस्तान की सैन्य-राजनीतिक व्यवस्था के आलोचकों का कहना है कि नागरिक मामलों में बार-बार सैन्य दखल से लोकतांत्रिक संस्थाएं और जवाबदेही कमजोर हुई है।

आलोचकों ने सेना प्रमुख असीम मुनीर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और व्यापक नागरिक-सैन्य व्यवस्था पर आरोप लगाया है कि वे महंगाई, बेरोजगारी, शासन की कमियों और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाल पाए हैं। उनका कहना है कि इससे सत्ता कुछ मजबूत राजनीतिक और संस्थागत समूहों के हाथों में बनी हुई है। इस समूह के सामने आने के बाद पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार के हाथ-पांव फूल गए हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी का एक बयान वायरल हो रहा है, जिसमें वह कहते सुनाई दे रहे हैं- अब एक नौजवान को आप कुछ भी कह सकते हैं, सिर्फ एक नौजवान या फिर कॉकरोच या फिर कुछ और। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर ये कॉकरोच एकजुट हो गए तो ये सबकुछ उलट-पुलट कर देंगे। नवकी ने पाकिस्तान आर्थिक सम्मेलन में कहा, हम वर्तमान में जिस व्यवस्था में रह रहे हैं, वो पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

अब इस व्यवस्था में रहते हुए समाधान की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अब जब तक बड़े सुधार नहीं होंगे, पाकिस्तान उन्हीं मुद्दों पर चर्चा करता रह जाएगा, जिस पर वो एक दशक पहले भी चर्चा करता था। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान के लोग भी ऐसी न्याय व्यवस्था चाहते हैं, जहां उन्हें समान अवसर मिले, जहां उनकी मेहनत का सम्मान हो। नकवी के मुताबिक, पाकिस्तान को अब ऐसी व्यवस्था चाहिए, जहां पर स्थानीय सरकारों को ज्यादा ताकत दी जाए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरिद्वार में कांवड़ खंडित होने पर विवाद, कार चालक को पीटा

हरिद्वार (एजेंसी)। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र में शनिवार रात करीब 8:30 बजे हाईवे फ्लाईओवर के पास गोल्डन ढाबा के निकट कांवड़ खंडित होने के बाद दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। तब तक मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया था और बाद में पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हरिद्वार से दिल्ली जा रही एक ऑल्टो कार की टक्कर रास्ते में एक कांवड़िए की कांवड़ से हो गई। कार चालक भी कांवड़ यात्रा से लौट रहा था और अपने साथ गंगाजल लेकर दिल्ली जा रहा था। टक्कर के कारण कांवड़ खंडित हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि वहां मौजूद कुछ कांवड़ियों ने कार चालक के साथ मारपीट की, उसके साथ अभद्र व्यवहार किया और वाहन में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद पुलिस ने गंगनहर निवासी राजा उर्फ राजेश को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कांवड़ यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं से शांति, संयम और अनुशासन बनाए रखने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का पर्व है, इसलिए सभी श्रद्धालु आपसी सौहार्द बनाए रखें। यदि कोई व्यक्ति कानून-व्यवस्था भंग करने या हिंसा फैलाने का प्रयास करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष कांवड़ यात्रा 30 जुलाई से शुरू हुई है और सावन शिवरात्रि के अवसर पर 11 अगस्त तक जारी रहेगी। यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार तड़के भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार सुबह 4:14 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 2.9 दर्ज की गई। इसका केंद्र दिल्ली के नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट में जमीन से 8 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कम तीव्रता होने के कारण भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। हालांकि तड़के आए झटकों से कई लोग कुछ देर के लिए घरों से बाहर निकल आए। विशेषज्ञों का कहना है कि कम गहराई पर आने वाले भूकंप के झटके सतह पर अपेक्षाकृत अधिक महसूस होते हैं, लेकिन यदि तीव्रता कम हो तो नुकसान की संभावना भी काफी कम रहती है। दिल्ली और आसपास का क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है और यहां समय-समय पर हल्के भूकंप दर्ज होते रहते हैं।

झारखंड में साइबर ठगों का नया तरीका : लूडो ऐप और वापसी के झांसे से 12.9 लाख की ठगी

रांची(एजेंसी)। झारखंड, विशेषकर रांची में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिसमें अपराधी नए-नए पैंतरों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ताजा घटनाओं में, रांची में दो व्यक्तियों से कुल 12 लाख 90 हजार रुपये से अधिक की साइबर ठगी की गई है। इसमें एक मामला लूडो ऐप डाउनलोड कराने और फिर राशि वापस दिलाने के नाम पर हुए फर्जीवाड़े का है, जबकि दूसरा अवैध निकासी का। साइबर थाना में हुंडरु निवासी 23 वर्षीय सुभाष कुमार ने 9 लाख 81 हजार रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार, दिसंबर 2025 में एक अज्ञात व्यक्ति ने सुभाष को लूडो ऐप का एपीके लिंक भेजकर पैसे जीतने का लालच दिया और ऐप डाउनलोड कराया। इसके बाद 18 से 29 दिसंबर 2025 के बीच उनके स्टेट बैंक ऑफ इंडिया खाते से 66 हजार रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर लिए गए। फरवरी से जून 2026 के बीच, ठगों ने राशि वापस दिलाने के नाम पर एक और ऐप डाउनलोड कराया और उनके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से करीब 9.15 लाख रुपये अन्य खातों में भेजवा लिए। कुल 9.81 लाख रुपये गंवाने के बाद, सुभाष ने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 और साइबर पोर्टल पर पांच शिकायतें दर्ज कराईं और अब पुलिस से राशि वापसी व कार्रवाई की मांग की है। वहीं टाटीसिलवे निवासी अखिलेश पांडे ने भी साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके बैंक खाते से 3 लाख 9 हजार रुपये की अवैध निकासी हुई है, जिसका पता उन्हें 1 जून को बैंक बैलेंस चेक करते समय चला। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है और यह पता लगा रही है कि ठगी की गई राशि कहां गई और इसमें कितने लोग शामिल हैं।

न्याय प्रदर्शन में गोपनीयता भंग : दुष्कर्म पीड़िता की पहचान सार्वजनिक होने पर कानूनी सवाल

गोरखपुर(एजेंसी)। एक सिपाही की हैवानियत का शिकार बनी बिटिया को न्याय दिलाने के लिए आल इंडिया महापद्मनन्द कम्युनिटी एजुकेटेड एसोसिएशन ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। हालांकि, संवेदना व्यक्त करने और न्याय की मांग के इस भावनात्मक माहौल में, संगठन से दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार की पहचान सार्वजनिक करने की भूल हो गई, जो ऐसे मामलों में स्पष्ट कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन है। एसोसिएशन के महानगर अध्यक्ष ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए कहा कि यह सब गुस्से और भावुकता के माहौल में अनजाने में हुआ। यह लापरवाही केवल सड़क पर प्रदर्शन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इंटरनेट मीडिया पर भी इसका व्यापक दर्शन हुआ। कई यूट्यूबरों ने घटना स्थल से रिपोर्ट करते हुए बिटिया की तस्वीर फ्लैश की, वहीं अन्य कंटेंट क्रिएटरों ने भी रोष में होश खोकर बालिका की तस्वीरें और पहचान साझा कर दीं। एडवोकेट कृष्णानंद तिवारी ने ऐसी लापरवाही को कानूनी दिक्कत का कारण बताया। वहीं, गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के शिक्षक डॉ. मनीष पांडेय ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त की। उनके अनुसार, भावुकता में लोग प्राय: नियम और नैतिकता को भूल जाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी मुद्दे पर संवेदनशीलता एवं भावुकता होने के साथ-साथ समझदारी और व्यक्तिगत निजता का सम्मान भी अत्यंत आवश्यक है, ताकि सामूहिक हित में काम करते हुए भी किसी की गरिमा को ठेस न पहुंचे।

केरल और कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 9 लोगों की मौत, 6 लापता

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन पर बुरा असर पड़ा है। केरलम में भारी बारिश से लैंडस्लाइड और बाढ़ से 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 6 लापता बताए जा रहे हैं। सरकार ने 65 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 1465 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

देश के कई राज्यों में बारिश ने बिगाड़े हालात, कई जगह फटे बादल गाड़ियां बहीं

असम में 80 मौतें, ओडिशा में कई गांव डूबे, केरल में बारिश का कहर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून देश के कई हिस्सों में तबाही मचा रहा है। जम्मू-कश्मीर से केरल तक बादल फटने से हाहाकार मचा हुआ है। गुजरात से ओडिशा तक आसमानी आफत से लोग परेशान हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। कश्मीर के शोपियां और किश्तवाड़ में बादल फटने भारी तबाही हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर से केरल तक मानसून की मूसलाधार बारिश से हाहाकार मचा है। बादल फटने से पहाड़ी इलाकों में भारी तबाही मची है तो मैदानी इलाकों में विनाशकारी बाढ़ से हजारों लोग परेशान हैं। लैंडस्लाइड और पहाड़ के दरकने से अमरनाथ यात्रा बाधित हुई है तो सड़कों पर बड़े-बड़े बोल्डर और मलबे ने चार धाम यात्रा पर भी ब्रेक लग दिया है। ओडिशा में विनाशकारी बाढ़ से गांव के गांव डूब गए तो केरल में भी मॉनसून का कहर जारी है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और शोपियां में

बादल फटने से भारी तबाही हुई, जिसमें गाड़ियां बह गईं और नेशनल हाईवे बंद हो गए। तबाही की तस्वीरें किश्तवाड़ के चत्रू इलाके से भी आई हैं, यहां देर रात करीब 2 बजकर 30 मिनट पर बादल फटने की घटना हुई। पानी का बहाव इतना तेज था कि इसमें गाड़ियां बह गईं। कई मकानों को भी सैलाब ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लोगों की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है। केरल के कई इलाके बाढ़ से जलमग्न हैं तो पूर्वोत्तर राज्य असम में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। विनाशकारी बाढ़ ने लोगों को सड़क पर ला दिया है। बाढ़ प्रभावित लोगों को अब खाने के लाले पड़ गए हैं। असम में बाढ़ से 80 मौतें हो चुकी हैं। 2.12 लाख लोग प्रभावित हैं।

गुजरात में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई सोसाइटियां सैलाब की चपेट में हैं। लोगों के घरों में पानी घुस गया है। हालत ये है कि नाव की मदद से लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, वडोदरा और नवसारी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 से 48 घंटों में बहुत भारी बारिश हो सकती है।

शाह के खिलाफ आपत्तिजनक वीडियो साझा करने पर जीरो एफआईआर

-जांच मैसूर पुलिस को सौंपी गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो साझा करने के मामले में लद्दाख पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की है। लेह पुलिस स्टेशन में दर्ज यह मामला आगे की जांच के लिए कर्नाटक के मैसूर स्थित देवराजा पुलिस स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया गया है। मामला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर योगेश परमार के खिलाफ दर्ज किया गया है। लिखित शिकायत के अनुसार, आरोपी ने फेसबुक पर एक वीडियो का लिंक साझा किया, जिसमें गृह मंत्री के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और नफरत फैलाने वाली टिप्पणियां की गई थीं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस तरह की सामग्री से समाज में वैमनस्य फैल सकता है, सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और सामाजिक तथा सांप्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचने की आशंका है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। इन धाराओं के तहत दोष सिद्ध होने पर दो से तीन वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। अधिकारियों के अनुसार, घटना का क्षेत्राधिकार मैसूर के देवराजा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है। इसी कारण कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए पहले लेह में जीरो एफआईआर दर्ज की गई और बाद में केस डायरी तथा अन्य दस्तावेज आगे की जांच के लिए संबंधित पुलिस स्टेशन को भेज दिए गए। अब मामले की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई मैसूर पुलिस करेगी। जीरो एफआईआर ऐसी व्यवस्था है, जिसके तहत किसी भी पुलिस थाने में, क्षेत्राधिकार की परवाह किए बिना, प्रारंभिक प्राथमिकी दर्ज की जा सकती है। इसके बाद मामला जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया जाता है।

बाढ़ पीड़ित शिवसागर और चराइदेव के रहवासियों का एक साल का भूमिकर माफ

-सीएम सरमा ने फैसले की घोषणा कर कहा यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर और चराइदेव जिलों के लोगों का एक साल की अवधि तक भूमि कर माफ किया जाएगा। ये दोनों जिले बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हैं। राज्य में बाढ़ के कारण अब तक 82 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएम हिमंत विसवा सरमा ने 'फेसबुक लाइव' सत्र में इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी।

उन्होंने कहा कि इन दोनों जिलों में 300 यूनिट से कम बिजली की खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं का जुलाई का बिजली बिल भी माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की, जिसमें सरकार ने उनसे कहा कि वे बाढ़ प्रभावित शिवसागर, चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट जिलों के लोगों के बीमा दावों का त्वरित और बिना किसी परेशानी के निपटारा सुनिश्चित करें। सरमा ने कहा कि बीमा कंपनियों ने एक सरल प्रपत्र जारी करने और जरुरी दस्तावेजों की संख्या को कम करने का वादा किया है ताकि इन चार जिलों के लोगों के बीमा दावों के निपटारे में आसानी हो सके।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले ही कंपनियों को विशेष निर्देश जारी किए हैं कि वे बाढ़ प्रभावित जिलों में बीमा दावों का शीघ्र निपटारा करें। सीएम ने कहा कि जीवन बीमा दावों का लाभ लेने के लिए कंपनियां मृतकों के नाम वाली सरकारी सूची को स्वीकार करेंगी और मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि जहां जरुरी होगा, वहां क्षतिग्रस्त मकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों का वीडियो सर्वेक्षण किया जाएगा। सीएम राहत कोष से मकानों की मरम्मत के लिए 15,000 रुपए की अंतरिम सहायता पाने वाले परिवारों के बारे में जानकारी साझा करते हुए सरमा ने कहा कि शिवसागर में लगभग 55,000 परिवार, चराइदेव में 20,000, जोरहाट में 7,000 और गोलाघाट में 3,000 परिवार इस सहायता के लिए पात्र होंगे और यह राशि 3 से 5 अगस्त के बीच वितरित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे परिवार भी हो सकते हैं जो अभी भी अपने मकानों को रहने योग्य स्थिति में नहीं ला पाए हों। उनके लिए सरकार 10 अगस्त को अतिरिक्त 10,000 रुपए की मदद प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने क्षतिग्रस्त आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 2 से 2.5 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

नीट पीड़ितों से मुलाकात कर बोले राहुल गांधी- छात्रों को नहीं, प्रधानमंत्री को मांगनी चाहिए माफी

-पेपर लीक से प्रभावित छात्रों के भविष्य का मुद्दा उठाया, परिसीमन को लेकर भाजपा पर भी साधा निशाना

चेन्नई (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई दौरे के दौरान नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने नीट प्रभावित छात्रों तथा जान गंवाने वाले विद्यार्थियों के परिजनों से मुलाकात की और कहा कि छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी की जरूरत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को उन छात्रों और उनके परिवारों से माफी मांगनी चाहिए, जिनका भविष्य कथित पेपर लीक और उससे उपजे संकट से प्रभावित हुआ।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि किसी भी माता-पिता को अपने बच्चे का शोक मनाते देखना सबसे पीड़ादायक अनुभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक के बाद न तो प्रधानमंत्री पीड़ित परिवारों से मिले और न ही उन छात्रों से बातचीत की, जिनका भविष्य इस विवाद से प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि

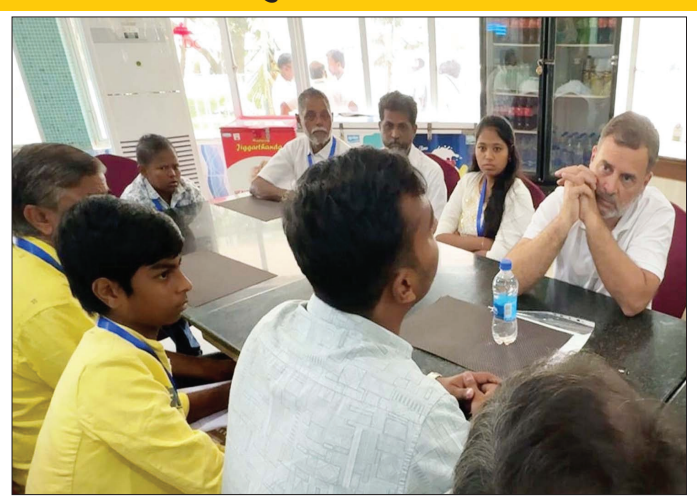

सरकार को केवल बयान देने के बजाय प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों द्वारा उनके और उनकी माता के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां किए जाने का उल्लेख करते हुए कहा था कि वह उन बच्चों को माफ करते हैं, क्योंकि बचपन गलतियों को सुधारने का समय होता है।

चेन्नई दौरे के दौरान राहुल गांधी ने परिसीमन (डिलिमिटेशन) के मुद्दे पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रस्तावित परिसीमन तमिलनाडु के लोगों के राजनीतिक अधिकारों को कमजोर करने की साजिश है। राहुल ने कहा कि इससे राज्य के प्रतिनिधित्व और अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि जो भी परिसीमन का समर्थन करता है, वह तमिलनाडु के हितों के साथ समझौता कर रहा है और राज्य के भविष्य के साथ अन्याय कर रहा है। राहुल गांधी के इस दौरे और बयानों के बाद नीट विवाद तथा परिसीमन का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच इन दोनों विषयों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रचने वाला निकला जैश का आतंकी

--बंगाल एसटीएफ का दावा- नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने जुटा रहा था जानकारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। हमीम मंडल, कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसपैठ करने वाला था। एसटीएफ के आईजी ने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि बंगाल सीएम शुभेंदु समेत कई नेता और पुलिस अधिकारी उसके निशाने पर थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मंडल पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था। उनके कहने पर ही नेताओं की गतिविधियों पर नजर रखने और जानकारी जुटा रहा था। जांच में उसके मोबाइल फोन और सोशल मीडिया चैट से वाट्सएप, टेलीग्राम और इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तान कॉन्टेक्ट्स के सबूत मिलने का दावा किया गया है। एसटीएफ ने शुक्रवार रात अर्पिता सरकार नाम की महिला को भी गिरफ्तार किया है, जो मंडल की सहयोगी और गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। एसटीएफ ने दावा किया कि मंडल और उसकी गर्लफ्रेंड ने मिलकर पश्चिम बंगाल के एक राज्य मंत्री के बेटे को हनी-ट्रैप में फंसाने की साजिश रची थी। इन दोनों ने मंत्री के बेटे को किडनैप करने और परिवार से पैसे ऐंठने का प्लान बनाया था। एसटीएफ के एक सीनियर अफसर ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे, इसकी जांच की जा रही है। अर्पिता और मंडल ने पाकिस्तानी हैंडलर्स के कहने पर सेंसिटिव जानकारी निकालने के लिए असरदार लोगों के साथ पर्सनल रिश्ते बनाने की योजना बनाई थी। दोनों पिछले चार साल से कॉन्टैक्ट में थे, पहले इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई और बाद में पर्सनली मिले। एसटीएफ के मुताबिक 23 साल का हमीम मंडल हावड़ा में काम करता था। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले वह बर्धमान चला गया था, जहां उसने अपार्टमेंट किराए पर लिया। जांच एजेंसियों की नजर से बचने के लिए वह पिछले दो-तीन महीनों से छिपा हुआ था। एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए आतंकवादी संगठन के उस मॉड्यूल से जुड़ा, जिसे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी अजमल गुज्जर चलाते थे। मंडल को सीएम की गतिविधियों पर नजर रखने का काम सौंपा था। उसे उन जगहों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए कहा था जहां सीएम बिना सुरक्षा के रह सकते हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मॉड्यूल की जांच तब शुरू हुई जब सरकार के मंत्री से पैसे ऐंठने और हनी-ट्रैप का इस्तेमाल करके उनके बेटे को किडनैप करने की साजिश के बारे में इनपुट मिले। जांच में सामने आया कि इसके पीछे एक ऑर्गनाइजेशन का हाथ है। इससे साहिबगंज के एक सोशल मीडिया हैंडल का पता चला, जिसे अर्पिता सरकार नाम की एक महिला ऑपरेट कर रही थी। सोशल मीडिया अकाउंट की जांच से ऑफिसर्स को मंडल का पता चला।

पंजाब कांग्रेस में बढ़ी कलह: वारिंग ने पूर्व एमएलए को पार्टी से निकाला

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पार्टी से निलंबित पूर्व विधायक मदन लाल जलालपुर के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के नेतृत्व पर अप्रत्यक्ष सवाल और संगठन के भीतर बढ़ते असंतोष के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह रही कि जलालपुर ने पार्टी की कार्यशैली और प्रदेश नेतृत्व पर सवाल उठाने के कुछ ही घंटों बाद चन्नी उनसे मिलने पहुंचे।

मुलाकात के बाद चन्नी ने वरिष्ठ नेताओं को निलंबित करने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह लड़ाई किसी पद या अध्यक्ष की कुर्सी के लिए नहीं, बल्कि पंजाब के मुद्दों की है। उन्होंने कहा कि संगठन को सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना चाहिए। उनका कहना था कि कांग्रेस की असली लड़ाई उन ताकतों से है जो बाहर से आकर पंजाब की राजनीति को प्रभावित करना चाहती हैं। वहीं, मदन लाल जलालपुर ने आरोप लगाया कि संगठन को मजबूत करने की बात उठाने पर उन्हें निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व के किसी भी नेता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी नहीं की। उनका कहना था कि उन्होंने केवल प्रदेश नेतृत्व के प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे, लेकिन बिना कारण बताओ नोटिस दिए ही उन्हें निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कार्रवाई को एकतरफा और अनुचित बताया।

दूसरी ओर, पटियाला में आयोजित पार्टी कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजा वारिंग ने अनुशासनात्मक कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि जलालपुर को हाल ही में नहीं, बल्कि केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों के कारण पहले ही निलंबित किया जा चुका था। कार्यक्रम में पार्टी प्रभारी भूपेश बघेल भी मौजूद रहे और संगठन में अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया गया।

इस पूरे घटनाक्रम ने पंजाब कांग्रेस में दो स्पष्ट शक्ति केंद्रों की तस्वीर सामने ला दी है। एक ओर राजा वारिंग के नेतृत्व में आधिकारिक कार्यक्रम आयोजित हुआ, वहीं दूसरी ओर चन्नी की जलालपुर से मुलाकात में कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इनमें सांसद धर्मवीर गांधी और पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु प्रमुख रहे, जिन्होंने आधिकारिक कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। उधर, समाना में एक अन्य कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा राजा वारिंग के खिलाफ नारेबाजी ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर असंतोष लगातार बढ़ रहा है। आलाकमान के प्रयासों के बावजूद पंजाब कांग्रेस की गुटबाजी फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है।

प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर से हर साल होती है 18 करोड़ रुपए दान की चोरी

-मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने लगाया आरोप, राम मंदिर चंदा चोरी का भी किया जिक्र

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दावा किया है कि मुंबई के मशहूर सिद्धिविनायक मंदिर में हर साल 18 करोड़ रुपए का चंदा हड़प लिया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अयोध्या के राम मंदिर में 1,400 करोड़ रुपए की चंदा चोरी हुई है। ठाकरे ने कहा कि आजकल मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं और उन्होंने मांग की कि पीएम मोदी इस मुद्दे पर बात करें। मनसे प्रमुख एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। राज ठाकरे ने कि निराश युवा मंदिरों में जाते हैं लेकिन मंदिर भी भ्रष्टाचार से सुरक्षित नहीं हैं। ठाकरे ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को आठ ट्रस्टियों द्वारा लिखे गए एक पत्र को पढ़कर सुनाते हुए कहा कि सिद्धि विनायक मंदिर के दान पेटी से पैसे चुराने वाले कुछ कर्मचारियों को ट्रस्टियों की सतर्कता के कारण पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि चोरी पकड़े जाने से पहले मंदिर की दान से होने वाली सालाहिक कमाई 50 लाख रुपए से कम थी और उसके बाद यह कलेक्शन बढ़कर 1.5 करोड़ रुपए हो गया। ठाकरे ने आरोप लगाया कि हर साल 18 करोड़ रुपए की चोरी हो रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता सदा सरवणकर ने कहा कि इस मामले में नौ कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां भी जरूरत पड़ी, हमने मामले दर्ज किए हैं। सरवणकर ने कहा कि दान में बढ़ोतरी ट्रस्ट की कोशिशों की वजह से हुई है। उन्होंने बताया कि मंदिर की आय दो साल पहले के 114 करोड़ रुपए से बढ़कर 182 करोड़ रुपए हो गई है। खास बात यह है कि पुलिस ने राम मंदिर में दान की चोरी के मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच चल रही है।

मैं बहुत खुश हूं, पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया, यह मुझे दूसरी जिंदगी मिली है

-प्रधानमंत्री को प्रदर्शन में आपत्तिजनक शब्द कहने वाली लड़की का नया वीडियो आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली लड़की का एक और नया वीडियो सामने आया है। इस नए वीडियो में वह कहती सुनाई दे रही है कि मैं बहुत खुश हूं कि पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। वीडियो में लड़की आगे कहती है कि एक तरह से यह मुझे दूसरी जिंदगी मिली है। मैंने इतनी बड़ी गलती की थी कि मैंने बिल्कुल भी नहीं सोचा था कि मुझे माफ कर दिया जाएगा। एक बार तो मुझे लगा था कि मेरा सबकुछ खत्म हो गया है, लेकिन पीएम मोदी ने मुझे माफ कर दिया। उसने बताया कि पीएम मोदी ने मुझे माफ किया तो मैं रोने लगी थी, क्योंकि जिस इंसान के बारे में मैंने इतने बुरे अपशब्द कहे थे, उसी ने मुझे माफ कर दिया।

इससे पहले भी लड़की ने एक वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में वह पूरे देश के लोगों से माफी मांगती नजर आ रही थी। उसने इस वीडियो में कहा था कि मैं बहुत शर्मिंदा हूं। साथ ही उसने अपनी उम्र का जिक्र करते हुए कहा था कि वह सिर्फ 15 साल की है, क्योंकि नोएडा पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में उसकी उम्र 25 साल बताई गई थी। खास बात यह है कि लड़की को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसने पूरे देश के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी है।

बता दें पुलिस के मुताबिक 23 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में लड़की ने पीएम मोदी के बारे में अशोभनीय और अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस घटना की शिकायत गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता स्मृति सिंह ने दिल्ली में दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर नोएडा पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। शिकायत में आरोप लगाया गया कि युवती के इस कृत्य से प्रधानमंत्री के संवैधानिक पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। बयान को जानबूझकर विद्वेष फैलाने, साम्प्रदायिक या सामाजिक तनाव पैदा करने और लोक शांति भंग करने की मंशा से दिया गया था। नोएडा पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए लड़की के खिलाफ मामला दर्ज किया। इन धाराओं में दो से तीन साल तक की सजा और जुर्माना दोनों लगाए जा सकते हैं।